बहुजन हिताय! बहुजन सुखाय!

सक्षम भारत

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

मुख्य संवाददाता : इन्द्रजीत सिंह मो. 9582093548

दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश से प्रसारित

www.sakshambharat;net, E-mail : saksham.bharat@hotmail.com

Member : CENTRAL NEWSPAPER SOCIETY OF INDIA DELHI

● वर्ष: 20 ● अंक: 66 ● नई दिल्ली ● शुक्रवार 22 अक्तूबर 2021 ● प्रभात कालीन ● मूल्य: 3 रूपया ● पृष्ठ: 8

रिपब्लिकन मजदूर संगठन के सदस्य बनें
दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष
मो. 08750202102
E-mail : rmsdp@hotmail.com
अनागरिक गीता भारती भवन
बी-2/370, सुल्तानपुरी
दिल्ली-86

नीति आयोग के उपाध्यक्ष बोले- वित्त वर्ष में 10.5 फीसदी रह सकती है इकोनॉमी की ग्रोथ रेट

नई दिल्ली। नीति आयोग के उपाध्यक्ष राजीव कुमार ने गुरुवार को कहा कि भारत की इकोनॉमी के चालू वित्त वर्ष में 10.5 फीसदी या उससे अधिक ग्रोथ रेट हासिल करने की उम्मीद है. उन्होंने पीएएफआई इंडियाके सम्मेलन में वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए कहा कि रिटेल सेक्टर के आधुनिकीकरण पर खास जोर है. कुमार ने कहा, मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस, दोनों के लिए इंडिया परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स में पिछले महीने काफी तेजी आई है. इससे भारत की इकोनॉमी और भी मजबूती आएगी. मुझे उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2021-22 में भारत की इकोनॉमी की ग्रोथ रेट 10.5 फीसदी या इससे अधिक रहेगी. चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-जून तिमाही के दौरान देश की इकोनॉमी में रिकॉर्ड 20.1 फीसदी की वृद्धि हुई. इसमें पिछले साल के कम आधार और कोविड-19 की दूसरी लहर के बाद मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस सेक्टर में तेज वृद्धि का योगदान रहा. कुमार ने एक सवाल के जवाब में कहा कि टू-व्हीलर वाहनों की बिक्री में गिरावट का कारण परंपरागत टू-व्हीलर वाहनों की जगह इलेक्ट्रिक बाइक और स्कूटर की ओर लोगों का रुझान हो सकता है.

एनसीपी नेता ने ड्रग्स केस की जांच कर रहे अधिकारी पर लगाए गंभीर आरोप

नवाब मलिक बोले, समीर वानखेड़े की नौकरी जाएगी, एनसीबी अधिकारी का जवाब- आपका स्वागत है

नवाब मलिक का आरोप: दुबई और मालदीव यात्रा पर सफाई दें वानखेड़े, फिल्म उद्योग से उगाही में भी उनका हाथ

मुंबई। नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी नेता और महाराष्ट्र सरकार में मंत्री नवाब मलिक ने बॉलीवुड ड्रग्स केस में एनसीबी और केंद्र पर निशाना साधा. मलिक ने एनसीबी के जोनल डायरेक्टर समीर वानखेड़े पर हमला बोलते हुए कहा कि वानखेड़े कठपुतली की तरह है. वह लोगों के खिलाफ फर्जी के मामले उठाते हैं. मलिक ने वानखेड़े को चुनौती देते हुए कहा कि एक साल के भीतर उनकी नौकरी चली जाएगी. एनसीपी नेता नवाब मलिक के बयान पर एनसीबी अधिकारी समीर वानखेड़े ने कहा मेरी शुभकामनाएं उनके साथ है. मैं एक छोटा सरकारी अधिकारी हूं. वे(नवाब मलिक) बड़े मंत्री है. ड्रग्स हटाने के लिए अगर वे मुझे जेल में डालना चाहते हैं तो मैं उसका स्वागत करता हूं. मलिक ने वानखेड़े पर निशाना साधते हुए कहा था कि, आप हमें जेल में डालने के लिए लाए गए हैं, इस देश के लोग आपको सलाखों के पीछे देखे बिना चुप नहीं रहेंगे. मलिक ने दावा किया कि हमारे पास फर्जी मामलों के सबूत हैं. नवाब मलिक ने चेतावनी देते हुए कहा मुझे बताओ तुम्हारे

वानखेड़े का पलटवार : एनसीबी डायरेक्टर बोले- इजाजत लेकर मालदीव गया था, मेरे परिवार को घसीटना सही नहीं

पिता कौन हैं, जो दबाव बना रहे हैं? मलिक ने कहा कि मुझ पर जो भी दबाव डालने की कोशिश कर रहा है वो ये समझ ले मैं किसी से नहीं डरता हूं. मलिक ने कहा मैं ये स्पष्ट करना चाहता हूं कि तब तक नहीं रुकूंगा जब तक मैं तुम्हें जेल में नहीं डाल दूंगा.

मलिक ने वानखेड़े पर लगाए गंभीर आरोप

नवाब मलिक ने कहा कि कोविड के दौरान पूरी फिल्म इंडस्ट्री मालदीव में थी. ऑफिसर और उनका परिवार भी वहीं था. मलिक ने कहा कि समीर वानखेड़े को अपनी दुबई और मालदीव के दौरे पर स्पष्टीकरण देना चाहिए. मलिक ने आरोप लगाया कि हमें यकीन है कि यह 'उगाही' मालदीव, दुबई में हुई थी, मैं जल्द ही आपको तस्वीरें दूंगा. नवाब मलिक ने आगे कहा कि सुशांत सिंह राजपूत के सुसाइड केस के बाद, एनसीबी ने एक विशेष अधिकारी की नियुक्ति की. सीबीआई मामले की जांच कर रही थी. मलिक ने आरोप लगाया कि मौत का रहस्य अभी भी अनसुलझा है लेकिन फिल्म इंडस्ट्री में एनसीबी की दखलंदाजी शुरू हो गई है. मलिक ने कहा कि रिया चक्रवर्ती को गलत तरीके के फंसाने की कोशिश की गई, इसके साथ ही अन्य लोगों को भी फंसाने की कोशिश की गई.

प्रियंका गांधी का बड़ा ऐलान, यूपी में सरकार बनने पर इंटर पास छात्राओं को स्मार्टफोन तो ग्रेजुएट लड़कियों को मिलेगी स्कूटी

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के आगामी विधानसभा चुनाव में 40 फ़ीसदी महिलाओं को टिकट देने की घोषणा के बाद कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी ने एक और बड़ा दांव खेला है. प्रियंका गांधी ने ट्वीट कर कहा है कि 2022 में कांग्रेस की सरकार बनने पर इंटर पास लड़कियों को स्मार्टफोन और स्नातक पास युवतियों को इलेक्ट्रिक स्कूटी दी जाएगी. करीब तीन दशक से यूपी की सत्ता से बाहर चल रही कांग्रेस ने युवा आधी आबादी को लुभाने के लिए एक बड़ा दांव चलकर विपक्षी पार्टियों को जबरदस्त चुनौती दी है. प्रियंका गांधी ने अपने ट्विटर हैंडल से ट्वीट कर लिखा, कल मैं कुछ छात्राओं से मिली. उन्होंने बताया कि उन्हें पढ़ने व सुरक्षा के लिए स्मार्टफोन की जरूरत है. मुझे खुशी है कि घोषणा समिति की सहमति से आज यूपी कांग्रेस ने निर्णय लिया है कि सरकार बनने पर इंटर पास लड़कियों को स्मार्टफोन और स्नातक लड़कियों को इलेक्ट्रानिक स्कूटी दी जाएगी. गौरतलब है कि 19 अक्टूबर को प्रियंका गांधी ने लखनऊ में प्रेस कांफ्रेंस कर ऐलान किया था कि आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी 40 फ़ीसदी टिकट महिलाओं को देगी. उन्होंने कहा था कि यह फैसला महिलाओं की राजनीति में नुमाईदगी को बढ़ाएगी और प्रदेश का विकास तेजी से होगा. प्रियंका के इस फैसले को भी विपक्ष के लिए बड़ी चुनती माना जा रहा है. दरअसल प्रियंका गांधी ने यूपी की करीब साढ़े तीन करोड़ महिला वोट बैंक को साधने की कोशिश की है. एक बार फिर उन्होंने स्मार्टफोन और स्कूटी से उस यंग वीमेन वोट को साधने की कोशिश की है जो 2022 में वोट करने जाएगी.

कर्मचारियों को सरकार का तोहफा

नयी दिल्ली। मोदी मंत्रिमंडल ने केंद्रीय कर्मचारियों एवं पेंशनधारकों के महंगाई भत्ता और राहत में 3 फीसदी की वृद्धि को मंजूरी दे दी। इससे 47.14 लाख कर्मचारियों और 68.62 लाख पेंशनधारकों को लाभ होगा। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने बताया कि यह वृद्धि एक जुलाई 2021 से प्रभावी होगी। इस वृद्धि के बाद महंगाई भत्ता और राहत बढ़कर 31 प्रतिशत हो गई है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष एक जुलाई को सरकार ने कर्मचारियों की 3 बकाया किस्तों की बहाली का अनुमोदन किया था तथा कर्मचारियों एवं पेंशनधारकों को देय महंगाई भत्ते/राहत को मूल वेतन/पेंशन के 17 प्रतिशत से बढ़ाकर 28 प्रतिशत करने का निर्णय किया था।

भाजपा पर बरसे फारूक अब्दुल्ला

नयी दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस प्रमुख फारूक अब्दुल्ला इन दिनों जम्मू दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने केंद्र की भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि बालाकोट बालाकोट... क्या वो लाइन बदल गई। क्या हमने कोई हिस्सा पाकिस्तान से वापस लिया, वो लाइन तो वहीं खड़ी है। अपना ही जहाज वहां गिराया। क्या मिला, सिर्फ भाजपा की हुकूमत आई। आज भी उत्तर प्रदेश को जीतने के लिए ये लोग नफरत फैला रहे हैं ?

अमरिंदर सिंह कैप्टन का पलटवार : हरीश रावत से कहा-मुझे सेक्युलरिज्म का पाठ न पढ़ाएं, सिद्धू को कहा धोखेबाज

चंडीगढ़ । सीएम पद छोड़ने के बाद भी कैप्टन अमरिंदर और पंजाब कांग्रेस में उनके विरोधियों के बीच बयानबाजी खत्म नहीं हो रही। गुरुवार को पंजाब कांग्रेस प्रधान नवजोत सिद्धू ने कैप्टन अमरिंदर सिंह को तीन कृषि कानूनों का निर्माता बताया जिसके बाद अमरिंदर ने पलटवार किया। उन्होंने हरीश रावत से लेकर नवजोत सिद्धू और परगट सिंह सभी पर सवाल उठाए। रावत को उन्होंने कहा कि मुझे धर्मनिरपेक्षता का पाठ न पढ़ाएं। मत भूलिए नवजोत सिद्धू भाजपा से कांग्रेस में आए थे और परगट सिंह अकाली दल से पार्टी में शामिल हुए थे। आज आप मुझ पर अपने प्रतिद्वंद्वी अकालियों की मदद करने का आरोप लगा रहे हैं। क्या इसलिए मैं पिछले 10 सालों से उनके खिलाफ कोर्ट केस लड़ रहा हूं। मैं 2017 के बाद से पंजाब में सभी चुनाव क्यों जीता हूं। आपको लगता है कि मैं पंजाब में कांग्रेस के हितों का नुकसान करूंगा, लेकिन सच ये है कि मुझ पर भरोसा न करके और पार्टी की कमान नवजोत सिद्धू जैसे अस्थिर आदमी के हाथ में देकर पार्टी ने अपने हितों को नुकसान पहुंचाया है। हरीश रावत ने कैप्टन के भाजपा के साथ जाने की अटकलों पर कहा था कि ऐसा लगता है कि उन्होंने अपने भीतर के धर्मनिरपेक्ष अमरिंदर को मार डाला है। अगर वह धर्मनिरपेक्षता के प्रति अपनी पुरानी प्रतिबद्धता पर कायम नहीं रह सकते तो उन्हें (अमरिंदर

हरीश रावत ने कैप्टन के भाजपा के साथ जाने की अटकलों पर कहा था कि ऐसा लगता है कि उन्होंने अपने भीतर के धर्मनिरपेक्ष अमरिंदर को मार डाला है। वहीं पंजाब कांग्रेस प्रधान नवजोत सिद्धू ने कैप्टन अमरिंदर सिंह को तीन कृषि कानूनों का निर्माता बताया था।

सिंह) कौन रोक सकता है। नवजोत सिद्धू पर कैप्टन की तल्खी कम नहीं हो रही। उन्होंने सिद्धू को फ्रॉड बताते हुए कहा कि आप मेरी 15 साल पुरानी फसल विविधीकरण पहल को कृषि कानूनों से जोड़ने की कोशिश कर रहे हैं, जिसके खिलाफ मैं अब भी लड़ रहा हूं और जिसके साथ मैंने अपना राजनीतिक भविष्य जोड़ा है। उन्होंने कहा कि सिद्धू पंजाब और उसके किसानों के हितों के बारे में अनजान हैं। वे विविधीकरण और कृषि कानूनों के बीच अंतर नहीं जानते हैं। और फिर भी पंजाब का नेतृत्व करने का सपना देखते हैं। अगर ऐसा कभी होता है तो यह भयानक होगा। यह हास्यास्पद है कि सिद्धू ने ऐसे वक्त में इस वीडियो को शेयर किया है जबकि पंजाब सरकार अपने आगामी प्रोग्रेसिव पंजाब इन्वेस्टर्स समिट को बढ़ावा देने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। पंजाब कांग्रेस के प्रधान नवजोत सिंह सिद्धू ने गुरुवार को पूर्व सीएम कैप्टन अमरिंदर सिंह एक वीडियो शेयर करते हुए ट्वीट किया था कि तीन काले कानूनों के निर्माता, जो अंबानी को पंजाब की किसानी में लाए, जिन्होंने पंजाब के किसानों, छोटे व्यापारियों और श्रमिकों को नष्ट कर दिया। कैप्टन ने इसी ट्वीट का जवाब दिया है।

अमित शाह के दौरे से पहले कश्मीर के कई इलाकों में इंटरनेट बंद, दोपहिया वाहनों की जब्ती में जुटी पुलिस

श्रीनगर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के इस सप्ताह के अंत में घाटी के संभावित दौरे से पहले पुलिस ने कश्मीर के कुछ इलाकों में इंटरनेट बंद कर दिया है और बड़ी संख्या में दोपहिया वाहन जब्त किए गए हैं। शाह के शनिवार को कश्मीर का दौरा करने की संभावना है जब श्रीनगर से शारजाह के लिए पहली अंतरराष्ट्रीय उड़ान रवाना होगी। हालांकि, पुलिस अधिकारियों ने कहा कि इंटरनेट बंद करने और दोपहिया वाहनों को जब्त करने का शाह के दौरे से कोई लेना-देना नहीं है, लेकिन यह आतंकवाद रोधी नियमित उपायों का हिस्सा है। कश्मीर जोन के पुलिस महानिरीक्षक विजय कुमार ने ट्वीट किया, कुछ बाइक जब्त करना और कुछ टॉवरों का इंटरनेट बंद करना पूरी तरह से आतंकी हिंसा से संबंधित है। इसका माननीय गृह मंत्री के दौरे से कोई लेना-देना नहीं है। दो दिन पहले एक दर्जनों टॉवरों का इंटरनेट बंद कर दिया गया था और यह अधिकांश उन इलाकों में किया गया है जहां पिछले सप्ताह आतंकवादियों ने गैर-स्थानीय लोगों की हत्या कर दी थी। पुलिस ने इसके साथ ही दोपहिया वाहनों के कागजों की जांच के लिए सघन अभियान चलाया है। कई लोगों ने आरोप लगाया है कि उनके दोपहिया वाहनों को पुलिस ने दस्तावेजों की जांच किए बिना ही जब्त कर लिया और उन्हें 26 अक्टूबर के बाद अपने वाहन लेने के लिए कहा गया है।

आर्यन खान की बढ़ी न्यायिक हिरासत

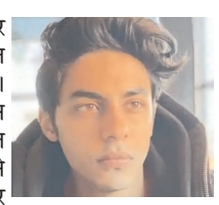

मुंबई । क्रूज ड्रग्स मामले में बॉलीवुड सुपरस्टार किंग खान के बेटे आर्यन खान की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। स्पेशल एनडीपीए कोर्ट ने गुरुवार को आर्यन खान की न्यायिक हिरासत 30 अक्टूबर तक बढ़ा दी है। इससे पहले शाहरुख खान आर्थर रोड जेल पहुंचे। जहां पर उन्होंने अपने बेटे आर्यन खान से मुलाकात की। एक अधिकारी ने बताया कि शाहरुख सुबह करीब नौ बजे मुंबई सेंट्रल स्थित जेल पहुंचे और 9 बजकर 35 मिनट पर वहां से रवाना हुए। अधिकारियों ने बताया कि जेल अधिकारियों ने अभिनेता के परिसर में दाखिल होने से पहले उनका आधार कार्ड और अन्य दस्तावेज देखे। दस्तावेजों की जांच के बाद, उन्हें एक टोकन दिया गया, जिसके बाद वह अपने बेटे से मिल पाए। इस वाक्ये के बाद एनसीबी शाहरुख खान और अनन्या पांडे के घर पहुंची। जिसके बाद अनन्या को पूछताछ के लिए बुलाया गया। उनके फोन को एनसीबी ने जब्त कर लिया है। 3 अक्तूबर को आर्यन खान को ड्रग्स मामले में एनसीबी ने गिरफ्तार किया था। जिसके बाद 14 अक्तूबर को इस मामले की सुनवाई हुई और 20 अक्टूबर को कोर्ट ने आर्यन की जमानत याचिका खारिज कर

महबूबा का भाजपा पर हमला : कहा- अब महिलाएं और बच्चे भी संदिग्ध, जम्मू-कश्मीर को दशकों पीछे धकेल दिया

जम्मू । जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने एक बार फिर भाजपा पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि भाजपा की नीतियों ने जम्मू-कश्मीर को दशकों पीछे धकेल दिया है। सोशल मीडिया पर उन तस्वीरों और वीडियो के वायरल होने के बाद यह टिप्पणी की, जिसमें सुरक्षाबल लाल चौक और शहर के अन्य व्यावसायिक क्षेत्रों में औचक निरीक्षण के दौरान महिलाओं और नाबालिगों की तलाशी लेते नजर आ रहे हैं। महबूबा ने एक ट्वीट में कहा कि कश्मीर में मौजूदा स्थिति का अंदाजा लगाइए, जहां महिलाएं और यहां तक की बच्चे भी अब संदिग्ध हैं। भाजपा ने जम्मू-कश्मीर का यह हाल कर दिया है। उनकी नीतियों ने हमें दशकों पीछे कर दिया है। ज्ञात हो कि प्रदेश के बाहर के मजदूरों सहित आम नागरिकों की हत्या की घटनाओं के बाद शहर और घाटी की अन्य जगहों पर जांच बढ़ा दी गई है।

शिवपाल का ऐलान, सरकार बनी तो हर परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने का बनाएंगे कानून

कौशांबी। प्रगतिशील समाजवादी पार्टी-लोहिया के अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव ने गुरुवार को कहा कि उत्तर प्रदेश के आगामी विधानसभा चुनाव में पार्टी की सरकार बनने पर कानून बनाकर हर परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाएगी। अपनी सामाजिक परिवर्तन यात्रा के तहत कौशांबी आए शिवपाल ने मंझनपुर तहसील के कोडर गांव में आयोजित जनसभा में कहा, हमारी पार्टी की सरकार बनी, तो हम प्रत्येक परिवार के एक सदस्य को कानून बनाकर सरकारी नौकरी देंगे। इसके अलावा हर परिवार को 300 यूनिट बिजली मुफ्त दी जाएगी और स्नातक बेरोजगार को स्वरोजगार के लिए पांच लाख रुपये दिए जाएंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने अपना एक भी चुनावी वादा पूरा नहीं किया। उन्होंने कहा इस पार्टी (भाजपा)के शासन में पूरे देश के मजदूर, किसान, नौजवान और व्यापारी परेशान हैं। किसान नए कृषि कानूनों के विरोध में पिछले 10 माह से आंदोलन कर रहे हैं।

भारत ने बनाया 100 करोड़ वैक्सीनेशन का रिकॉर्ड तो तिरंगे की रोशनी में जगमगाते दिखे स्मारक

नयी दिल्ली। कोरोना वायरस महामारी के खिलाफ युद्ध में वैक्सीन सबसे बड़ा हथियार है और इसी के तहत भारत ने गुरुवार को 100 करोड़ वैक्सीनेशन का आंकड़ा पार कर लिया है। इसी उपलक्ष में तिरंगे की रोशनी से ऐतिहासिक स्थल जगमगाते हुए दिखाई दिए। आपको बता दें कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने 100 करोड़ वैक्सीनेशन का आंकड़ा पूरा होने पर देश की 100 स्मारकों को तिरंगे की रोशनी से जगमग किया। जिसके कई सारे वीडियो सामने आए। आगारा फोर्ट, कुतुब मीनार, हुमायूं का मकबरा, चारमीनार, टीपू सुल्तान समर प्लेस इत्यादि स्थान देखने लायक हैं। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज, जब भारत ने वैक्सीन सेंचुरी हासिल कर ली है, मैं डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल के एक टीकाकरण केंद्र में गया। वैक्सीन हमारे नागरिकों के जीवन में गर्व और सुरक्षा लेकर आयी है। वहीं दूसरी तरफ एम्स के निदेशक डॉ.रणदीप गुलेरिया ने कहा कि भारत के लिए ये बहुत ऐतिहासिक है कि हमने आज 100 करोड़ वैक्सीनेशन पूरा किया है। ये इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि वैक्सीन का पूरा उत्पादन भारत में ही किया गया है और ये काम हमने काफी कम समय में किया है।

बार्डर खाली कर दिल्ली में संसद पर देंगे धरना - राकेश टिकैत

नई दिल्ली। किसान प्रदर्शनकारियों द्वारा रास्ता रोके जाने को लेकर सुप्रीम कोर्ट में बृहस्पतिवार को हुई सुनवाई के कुछ देर बाद ही दिल्ली-यूपी के गाजीपुर बार्डर पर बैरिकेड हटाकर रास्ता खोल दिया गया है। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत की अगुवाई में बृहस्पतिवार दोपहर बाद किसानों ने खुद बैरिकेट हटाए। इस दौरान यूपी गेट पर राकेश टिकैत यह भी एलान किया है कि गाजीपुर बार्डर पर टेंट भी हटवा रहे हैं और बार्डर भी खाली कर रहे हैं। अब दिल्ली में संसद पर जाकर धरना देंगे। इस एलान के बाद यूपी और दिल्ली पुलिस मुस्तैद हो गई है। इस मौके पर मीडिया से बातचीत के दौरान भाकियू नेता राकेश टिकैत ने कहा कि गाजीपुर बार्डर पर हमने (किसानों) रास्ता बंद नहीं किया है, बल्कि दिल्ली पुलिस ने बैरिकेड लगाकर रास्ता बंद किया हुआ है। हम अपने टेंट हटा रहे हैं। ऐसे में अगर दिल्ली पुलिस भी बैरिकेड हटा ले तो गाड़ियां आराम से यहां से दिल्ली जा सकती हैं। इस पर राकेश टिकैत ने सफाई में कहा कि रास्ता हमने नहीं दिल्ली पुलिस ने रोक रखा है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि रास्ता रोकना गलत है और हम उनका सम्मान करते हैं, इसलिए अपना रास्ता खोल रहे हैं ताकि लोगों को दिक्कत न हो। हमारी अपील है कि दिल्ली पुलिस रास्ता खोले। मिली जानकारी के मुताबिक, राकेश टिकैत टेंट हटाने की बात कह तो रहे हैं, लेकिन सडक के एक किनारे को ही खाली करवाया जा रहा है। वहीं, दूसरे किनारे पर टेंट लगे हैं जिनसे आधी से यादा सडक घिरी हुई है। कुल मिलाकर किसानों द्वारा अपनी तरफ से बैरिकेड और टेंट हटाए जाने के बाद भी वाहन चालकों को कोई राहत नहीं मिलने वाली है, क्योंकि दूसरी तरफ का रास्ता तो बंद ही रहेगा। गुरुवार को सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि किसानों को विरोध करने का अधिकार है, लेकिन सड़कों को अनिश्चित काल के लिए अवरुद्ध नहीं किया जा सकता है. सुप्रीम कोर्ट ने सड़कें बंद किए जाने को लेकर किसान संगठनों से जवाब मांगा है. हालांकि, इसके लिए किसान संगठनों को समय देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने किसानों को हटाने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई 7 दिसंबर तक के लिए टाल दी.

कुंडली बॉर्डर पर आंदोलन में शामिल पंजाब के एक और किसान की मौत

सोनीपत (हरियाणा) । सोनीपत के कुंडली बॉर्डर पर तीन कृषि कानूनों को रद्द कराने की मांग को लेकर जारी आंदोलन में शामिल पंजाब के एक और किसान की बुधवार रात को मौत हो गई। शुरुआती जांच में मौत का कारण हार्ट अटैक बताया जा रहा है। हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर ही मौत के सही कारणों का पता लग सकेगा। पुलिस ने शव को सामान्य अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। पंजाब के जिला पटियाला के गांव रेनो निवासी करनैल सिंह (61) कुंडली बॉर्डर पर जारी आंदोलन में शामिल होने आए थे। करनैल सिंह दो माह से आंदोलन में शामिल थे।

घर को बनाएं खूबसूरत

घर का चाहे कोई भी कमरा क्यों न हो, उसके कॉर्नर को सजाने के लिए अक्सर विकल्प की कमी महसूस की जाती है। आप अपने घर के कॉर्नर को सजाने के लिए प्लांट्स के अलावा फूलदान व टेलीफोन रख सकते है। इससे जगह का तो इस्तेमाल होगा ही साथ ही घर भी निखरा दिखेगा..

अक्सर घर की साज-सज्जा में हम घर के कमरों के कॉर्नर की अहमियत और उसके उपयोग पर ध्यान नहीं देते, लेकिन इन कोनों पर ध्यान देते हुए इसका सही उपयोग किया जो घर की सजा-सज्जा और खूबसूरती में निखार आएगा, साथ ही आपको घर में मिलेगी अतिरिक्त जगह। यही नहीं जगह को आप अपनी पसंद और जरूरत के अनुसार इस्तेमाल भी कर सकते हैं। इंटीरियर डिजाइनर्स की मानें तो उनका कहना है कि घर का कोई भी हिस्सा चाहे वह ड्राइंग रूम हो, किचन, बालकनी या फिर बेडरूम ही क्यों न हो, कमरों में स्पेस मैनेजमेंट के जरिये ही उसका उचित इस्तेमाल किया जा सकेगा। हालांकि इसका एक पहलू यह भी है कि जगह की कमी और बढ़ती आवश्यकताओं ने लोगों के सामने ज्यादा विकल्प उपलब्ध नहीं हैं। इसी विकल्प को ध्यान में रखते हुए आजकल इंटीरियर डिजाइनर भी सलाह देते हैं कि घर के कमरे के कोने का उचित इस्तेमाल करें और यहां पर उन्हीं चीजों को स्थान दें जिनका इस्तेमाल रोजाना करना हो।

वैसे यह शत-प्रतिशत सही भी नहीं है इसलिए कई डिजाइनर्स का यह भी कहना है कि कमरों के कोनों में उन चीजों का रखा जाए जहां कम से कम आवाजाही हो। यह कहना किसी हद तक सही भी है क्योंकि ऐसी स्थिति में चीजों के अस्त-व्यस्त रहने की गुंजाइश बनी रहती है। घर में बेडरूम, ड्राइंग रूम, बालकनी और किचन में बहुत सा स्पेस बचा रहता है, जिसका इस्तेमाल हम जाने-अनजाने नहीं करते। ऐसा बेहतर प्लानिंग न होने की वजह से होता है। ऐसे में जरूरत है तो स्पेस को पहचानने और उसके सही इस्तेमाल की और यह काम बहुत मुश्किल नहीं है। तो क्यों न आप भी कुछ खास बातों को ध्यान में रखते हुए अपने घर के कोनों का इस्तेमाल करें। यह बात बेडरूम ड्राइंग रूम किचन या फिर बालकनी पर भी लागू होती है। मसलन टेलीविजन रखने से लेकर सिंगल या डबल बेड शोपीस, बच्चों के खिलौनों और गमलों आदि पर भी लागू होती है। जहां तक टेलीविजन की बात है, उसे कोने में रखना बेहतर हो सकता है। घर के कोने रखा टीवी घर के सभी सदस्यों को दिखेगा और यही आपको मकसद भी होना चाहिए। टीवी के दोनों कोनों के नजदीक ही गमले रखने से लिविंग रूम की खूबसूरती बढ़ जाएगी। गमले दरवाजे के दोनों तरफ भी रखे जा सकते हैं। लेकिन इसकी पहली शर्त यह है कि दरवाजे पर खूबसूरत और रंगीन पर्दा जरूर लगा हो। पर्दा लगा होने की स्थिति में कोने की खूबसूरती बढ़ जाएगी।

यही स्थिति डाइनिंग टेबल की है। इसके किचन के नजदीक रखा जाना चाहिए। अमूमन ड्राइंग रूम और बेडरूम व किचन के बीच स्पेस होता है, इसका इस्तेमाल डाइनिंग टेबल रखने के लिए कर सकते हैं। आधुनिक घरों को डिजाइन करते वक्त डाइनिंग के लिए विशेष तौर पर जगह निकाली जाती है। किताबें रखने के लिए ड्राइंग रूम के दरवाजे के पीछे रैक रखी जा सकती है। या फिर आप चाहें तो इसके लिए रैक भी बनवा सकते हैं। घर के लिविंग रूम के कोने में टेलीफोन या फिर कम्प्यूटर भी रखे जा सकते हैं। कम्प्यूटर को वैसे भी ऐसी जगह रखना चाहिए, जहां आवाजाही कम से कम हो।

कॉर्नर चाहे बड़ों के कमरों के हों या फिर बच्चों के, कमरे के कोने में रखा सामान उसके व्यक्तित्व को भी एक पहचान देता है। वैसे बच्चे कोने की अहमियत शायद न समझें, इसीलिए जूते या स्कूल बैग और रद्दी कागज बिखेरने के लिए इनका इस्तेमाल करें। बच्चों के कमरों में कॉनर्स पर टेबल लगाई जा सकती है, जिसमें उनके खिलौने और टेक्स्ट बुक्स के अलावा मैगजीन आदि रखी जा सकती हैं। इस हिस्से को निखार देने के लिए उन्हीं के द्वारा बनाई पेंटिंग्स के जरिये भी इस हिस्से की खूबसूरती और बढ़ा सकते हैं। इसके अलावा उनकी स्पो?र्ट्स किट या फिर फ्रेम कराई गई फोटो भी लगा सकते हैं। इससे यह स्पेस जीवंत और सकारात्मक भी लगेगा।

बात बेडरूम की करें तो कोनों में ग्लास या फिर वुडन स्टैंड लगवाकर उस पर गुलदस्ता, लैंपशेड, कोई एंटीक पीस सजाया जा सकता है। आप चाहें तो छोटा सा मंदिर बनवाकर उसमें मूर्तियां भी रख सकते हैं। हां यह जरूर ध्यान रखें कि कॉर्नर में बनाए जाने वाले इन स्टैंड्स की हाइट कम से कम पांच फीट की जरूर हो, जिससे कि छोटे बच्चे इन्हें किसी तरह का नुकसान न पहुंचा सकें। इसमें कोई दो राय नहीं कि मौजूदा समय में घरों के आकार छोटे हो रहे हैं, जिससे इनमें रहने वालों को अक्सर स्पेस की कमी महसूस होती है। फिर भी घर में जितना भी स्पेस हो, अगर उसका सही इस्तेमाल किया जाए तो इस समस्या से काफी हद तक राहत

सोफा वही सोच नई

हमेशा उपयोग के हिसाब से ही फैब्रिक का चयन करें। सफाई के लिहाज से भी उनका रंग, टेक्सचर, मजबूती आपके लिए काफी मायने रखती है, इसलिए इन्हें खरीदते समय इस बात का ध्यान रखें। उदाहरण के तौर पर गहरा और प्रिंटेड सिंथेटिक फैब्रिक ज्यादा इस्तेमाल होने वाले स्थान के लिए बेहतर विकल्प है, जबकि इसके उलट सिल्क की देखभाल करना काफी कठिन है।

लेदर

यह सजावट का काफी महंगा विकल्प है, लेकिन मजबूती के मामले में इसका कोई सानी नहीं है। इसमें दाग-धब्बे आसानी से नहीं पड़ते और थोड़ी सी सफाई से ही इसकी खूबसूरती हमेशा बरकरार रहती है। घर के सबसे अधिक इस्तेमाल होने वाले हिस्से के लिए यह एक बेहतरीन विकल्प है। हालांकि गर्मी के मौसम में यह थोड़ा परेशानी भरा रहता है। यदि आपका इरादा पक्का है कि लुक तो आपको यही चाहिए तो नकली या सिंथेटिक लेदर ले सकती हैं।

कॉटन

कॉटन अपहोलस्ट्री में नेचुरल कॉटन और कॉटन ब्लेंड्स दोनों तरह के फैब्रिक्स मिलते हैं। कॉटन ब्लेंड्स नेचुरल कॉटन की अपेक्षा अधिक मजबूत और टिकाऊ होता है। स्टेन रेजिस्टेंट फिनिश वाले ब्लेंड्स के बाद बच्चों के बीच अधिक उपयोगी सिद्ध होते हैं। हालांकि इनमें दाग-धब्बे और सिकुड़न आने की संभावना रहती है।

सिल्क

यह काफी नाजुक होता है और इसमें दाग-धब्बे लगने की संभावना भी बहुत ज्यादा रहती है, इसलिए इन्हें घर के उन स्थानों पर जगह दें, जिनका इस्तेमाल कम ही होता है। इसके अलावा बच्चों तथा जानवरों से तो इन्हें दूर ही रखें। इनमें रंगों के बहुत सारे विकल्प मौजूद हैं और भी बेहतरीन लुक के लिए बहुत तरह के पैटर्न, जो लगाने पर काफी एलीगेंट और रिच लगते हैं। एन्वॉयरमेंट फ्रेंडली बनने के लिए आप सिंथेटिक सिल्क का प्रयोग कर सकती हैं।

एक्रिलिक

एक्रिलिक एक सिंथेटिक फैब्रिक है। मजबूत और टिकाऊ होने के साथ ही इसमें सिकुड़न और सिलवटें आने की संभावना कम रहती है। इसे साफ करना भी काफी आसान है। मनपसंद रंगों में मिलने वाले अच्छी क्वालिटी के इस उत्पाद का मजा आप सारे परिवार के साथ बैठकर ले सकती हैं, वह भी बिना किसी टेंशन के। जिन लोगों को एलर्जी की शिकायत रहती है वह अपने फर्नीचर के लिए हाइपोएलर्जेनिक एक्रिलिक फैब्रिक के बारे में विचार कर सकती हैं।

लिनेन

कई सारे रंगों और पैटर्न में मिलने वाला लिनेन काफी मजबूत और टिकाऊ विकल्प है। हालांकि लिनेन में भी सिल्क की तरह सिलवटें और दाग-धब्बे आसानी से पड़ जाते हैं और ये ड्राईक्लीनिंग मांगता है। रोजमर्रा में भी इनकी सफाई का विशेष ध्यान रखना पड़ता है। जो भी हो फर्नीचर के लिए लिनेन एक बेहतरीन विकल्प है।

जब घर में बनाएं ऑफिस

ज्यादातर लोग घरेलू और कामकाजी जीवन को अलग-अलग रखना पसंद करते हैं, लेकिन पिछले कुछ वर्षो से घर से ऑफिस चलाने की अवधारणा बहुत लोकप्रिय हुई है। पहलेपहल यह कंसेप्ट 1990 में चलन में आया। इसे नाम दिया गया- सोहो ।

आज के दौर में हर शिक्षित स्त्री काम करना चाहती है, लिहाजा घर में ऑफिस का विचार और फलने-फूलने लगा है। लेकिन कम लोगों के पास ही घर में इतनी जगह होती है कि वे सुचारु ढंग से ऑफिस चला सकें। कुछ लोग अपने घर के लिविंग स्पेस में ही ऑफिस निकाल लेते है। लेकिन यदि प्रोफेशनल ढंग से न काम किया जाए और व्यवस्थित ऑफिस न बनाया जाए तो उससे फायदा कम ही मिल पाता है। घर में ही सुविधाजनक और शांत कार्यस्थल बनाने के लिए कुछ बातों का ध्यान रखा जाना चाहिए।

खाली जगह का सदुपयोग करे

कई बार घर के खाली स्थानों पर नजर जाती ही नहीं, जबकि इनका उपयोग ऑफिस के लिए किया जा सकता है। यदि आपका काम ज्यादा घंटे का नहीं है तो आप अपने स्टडी या लिविंग स्पेस का ही पार्टिशन करके अपने लिए छोटा ऑफिस बना सकती हैं। लेकिन यदि काम ज्यादा गंभीरता और समय की मांग करता है तो इसे अलग स्थान की जरूरत है। यदि आपके घर में तीन-चार बैलकनी है तो एक को कवर करके आप इसका उपयोग ऑफिस के लिए कर सकती है। घर में जगह कम हो तो स्टोर रूम या ड्रेसिंग रूम को भी ऑफिस की शक्ल दी जा सकती है। अपने बेसमेंट, गैरेज में भी रेनोवेशन करके आप इसे ऑफिस का रूप दे सकती है। लेकिन इन स्थानों का चुनाव तभी करे, जबकि भविष्य में भी आपको इनकी जरूरत न हो, क्योंकि बार-बार ऑफिस शिफ्ट करना मुश्किल होता है। महत्वपूर्ण यह है कि होम ऑफिस में समर्पित भाव से कार्य कर सकें, इसलिए जगह के चुनाव में सावधानियां बरतें।

हवादार हो कमरा

एक हवादार कमरा कार्यक्षमता को बढ़ा देता है। ए.सी. और पंखे होने के बावजूद यदि ऑफिस में प्राकृतिक तौर पर हवा की आवाजाही की व्यवस्था हो तो यह बेहतर होगा। यदि आप रचनात्मक कार्यो से जुड़ी है तो खिड़की के बाहर हरियाली को निहारना, मौसम के बदलते रूपों को देखना भी आपको प्रेरणा प्रदान करता है। इसलिए एक बड़ी विंडो, जिससे बाहर कुछ अच्छे दृश्य नजर आएं, ऑफिस में जरूर हो।

प्रकाश व्यवस्था

अपने घर के जिस भी कोने में ऑफिस बनाएं, यह ध्यान रखें कि वहां प्रकाश की समुचित आवाजाही हो, क्योंकि कम या अंधेरी सी रोशनी में काम करना हानिकारक होता है। ऑफिस के इस कमरे को पूरे वर्ष के मौसम के अनुसार व्यवस्थित करे। उदाहरण के लिए यदि गर्मी में ऑफिस बना रही हैं तो आगामी बरसात और सर्दियों के मौसम का भी ध्यान जरूर रखें और उसी के अनुरूप ऑफिस को व्यवस्थित करे। लाइट्स ऐसी लगाएं जो आपकी कार्य प्रकृति के अनुरूप हो।

शांत माहौल जरूरी

घर में ऑफिस बनाने का नुकसान यह होता है कि घरेलू कार्यो से आप खुद को अलग नहीं कर सकतीं। ऑफिस के साथ यदि मुख्य प्रवेश द्वार, किचन या बच्चों का कमरा है तो शांत भाव से आप काम नहीं कर सकतीं। किचन से बीच-बीच में चाय-कॉफी का स्वाद तो ले सकती है, लेकिन यदि यहां पूरे घर का भोजन बनता है तो आपको परेशानी हो सकती है। छह-सात घंटे काम करने के लिए जिस शांत माहौल की जरूरत होती है, वह आपको नहीं मिल सकता। शोरगुल वाले या व्यस्त कमरों से थोड़ी दूरी पर स्थित होना चाहिए ऑफिस। यदि आप फ्लैट सिस्टम में रहती हैं और आप आपके पास अतिरिक्त कमरे नहीं है तो फिर अपने कमरे में साउंड प्रूफ सिस्टम का प्रयोग कर सकती है। इसके अलावा मजबूत वूडेन पैनल्स भी इस शोरगुल से आपको बचा सकते है। यदि घर दोमंजिला है तो आप एक मंजिल को अपने ऑफिस के लिए प्रयोग कर सकती है।

सुविधाजनक हो फर्नीचर

व्यवस्थित और छोटी जगह में ज्यादा सामान खपाने वाला फर्नीचर आपके होम ऑफिस में होना चाहिए। यदि आपको कंप्यूटर पर कार्य करना है तो डेस्कटॉप, की-बोर्ड और चेयर का चुनाव सावधानी से करे। अलमारियां, कैबिनेट्स इस तरह से डिजाइन करे कि सारा सामान आपकी पहुंच में रहे, साथ ही व्यवस्थित भी दिखे। बहुत भारी-भरकम फर्नीचर से ऑफिस बहुत भरा-भरा दिखता है। थोड़ी जगह खाली रहे, यह जरूरी है।

अनावश्यक चीजें न रखें

अपने इस कार्यस्थल को ऐसे डिजाइन करे कि सारा कार्य शांति से हो सके। अनावश्यक चीजों के संग्रह से बचें। रोजमर्रा के व्यर्थ कागजों को डस्टबिन में डालती रहे। इस कमरे में मौजूद पहले के सामानों को दूसरे कमरे या स्टोर रूम में एडजस्ट करे, ताकि अपनी सुविधानुसार ऑफिस को व्यवस्थित कर सकें। फैक्स मशीन या प्रिंटर के आसपास फालतू पेपर्स का जमघट न लगाएं और न ही अपनी मेज की दराज और कैबिनेट्स में अनावश्यक रद्दी एकत्र करे। छोटे से इस ऑफिस को जितना क्लटर फ्री यानी साफ-सुथरा और व्यवस्थित रखेंगी, उतना ही काम में ध्यान केंद्रित कर सकेंगी।

मूड फ्रेश रखने के लिए

शांत और एकाग्रचित्त होकर कार्य करने के लिए कुछ ऐसे सामान ऑफिस में जरूर रखें, जो आपके मूड को अच्छा रखें। अपनी वॉल्स को पसंदीदा रंगों से सजाएं, कुछ इंडोर प्लांट्स के पॉट्स रखें। फैमिली फोटो के साथ कुछ अच्छे लैंडस्केप्स भी लगाएं। म्यूजिक का शौक है तो अपनी पसंदीदा सीडीज इस रूम में रख सकती है, लेकिन ध्यान रखें कि यह काम करने की जगह है, इसलिए इसे बहुत ज्यादा न भरें।

एक नजर

कार्रवाई : योगेंद्र यादव संयुक्त किसान मोर्चा से निलंबित, भाजपा कार्यकर्ता की मौत पर शोक जताने की मिली सजा

नई दिल्ली। संयुक्त किसान मोर्चा ने आज एक बड़ी कार्रवाई करते हुए अपने दिग्गज साथी योगेंद्र यादव को संगठन से एक महीने के लिए निलंबित कर दिया। इस दौरान वे संयुक्त किसान मोर्चा की किसी भी गतिविधि या बैठक में भाग नहीं लें सकेंगे। संयुक्त किसान मोर्चा के नेताओं ने उन्हें यह सजा उनके द्वारा लखीमपुर खीरी में हुई हिंसा में मारे गए भाजपा कार्यकर्ताओं की मृत्यु पर 'शोक' प्रकट करने के कारण दी है। योगेंद्र यादव ने अपने कृत्य पर माफी मांगते हुए इस दंड को स्वीकार कर लिया है। वे बाद में अपने कृत्य पर सार्वजनिक तौर पर माफी भी मांगेंगे। सिंघु बॉर्डर पर गुरुवार को संयुक्त किसान मोर्चा के किसान नेताओं ने एक लंबी मैराथन बैठक की। इस बैठक में कई अन्य बिंदुओं के साथ-साथ योगेंद्र यादव के मामले पर भी चर्चा हुई। इस बैठक में शामिल योगेंद्र यादव ने किसान नेताओं के सामने अपने कृत्य के लिए क्षमा मांगी और भविष्य में इस तरह की किसी भी हरकत से दूर रहने का आश्वासन भी दिया।

दिल्ली पुलिस : अब थानाध्यक्ष और इंस्पेक्टर हर पीसीआर कॉल पर जाएंगे मौके पर

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस के थानाध्यक्ष व पुलिस स्टेशनों में तैनात इंस्पेक्टर को तुरंत मौके पर पहुंचना होगा। अब उन्हें बताना होगा कि वह कितने समय में मौके पर पहुंच गए। अब थानाध्यक्षों को मौके पर पहुंचने का टाइम-लॉक (इंट्री) होगा। साथ ही थानाध्यक्ष व इंस्पेक्टर अब हर पीसीआर कॉल पर जाएंगे। इसके अलावा अब सब-डिवीजन सहायक पुलिस आयुक्त(एसीपी) भी गंभीर अपराध की कॉल पर जाएंगे। दिल्ली पुलिस आयुक्त ने दिल्ली में अपराध को कम करने के लिए ये सख्त कदम उठाए हैं। जिला डीपीसी अब पुलिस आयुक्त के इन आदेशों के बारे में एसीपी, थानाध्यक्षों व इंस्पेक्टर को बता रहे हैं। दक्षिण-पश्चिमी जिला डीसीपी गौरव शर्मा ने अपने जिले के अधिकारियों के साथ बैठकर पुलिस आयुक्त के आदेशों के बारे में जानकारी दी। दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि देखने में ये आता है कि कई बार थानाध्यक्ष व इंस्पेक्टर पीसीआर कॉल पर नहीं जाते हैं। वह जूनियर पुलिस अधिकारियों को घटनास्थल पर भेज देते हैं। इस अधिकारी ने बताया कि अब पुलिस आयुक्त राकेश अस्थाना ने आदेश दिए हैं कि हर थानाध्यक्ष व पुलिस स्टेशन में तैनात इंस्पेक्टर हर पीसीआर कॉल पर जाएंगे। वह मौके पर पहुंचकर वायरलैस सैट पर मैसेज देकर बताएंगे कि कितने समय में मौके पर पहुंच गए हैं। इससे उनका कॉल पर पहुंचने का टाइम- लॉक हो जाएगा। ये भी आदेश दिए गए हैं कि अब थानाध्यक्ष जब भी समय मिलेगा वह ई-एफआईआर के घटनास्थल पर भी जाएंगे। ज्यादातर चोरी खासकर वाहन चोरी की घटनाओं को लेकर लोग ई-एफआईआर करते हैं, मगर कोई भी अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचता था। इसके अलावा पुलिस आयुक्त ने आदेश दिए हैं कि सब- डिवीजन एसीपी भी अब कॉल पर जाएंगे। एसीपी सब-डिवीजन इलाके में होने वाली आग, हत्या व लूटपाट की पीसीआर कॉल पर जाएंगे। वह मौके पर पहुंचकर जूनियर पुलिस अधिकारियों को दिशानिर्देश देंगे। बताया जा रहा है कि पुलिस आयुक्त पीसीआर कॉल को कम करने के लिए ये आदेश दिए है। पुलिस आयुक्त दिल्ली में अपराध पर काबू पाने के लिए हर रोज नए कदम उठा रहे हैं।

प्रदूषण : 48 घंटे में बिगड़ गई दिल्ली की हवा, नमी में हुई कमी तो एक्यूआई में आया उछाल

नई दिल्ली । वातावरण की नमी कम होने के साथ ही दिल्ली की हवा अच्छी से खराब हो गई है। 48 घंटे के भीतर वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) में 175 अंकों को उछाल आया और वह 46 से 221 पर जा पहुंचा। सफर का पूर्वानुमान है कि बारिश नहीं होने की सूरत में प्रदूषण का स्तर तेजी से बढ़ेगा। पांच दिन में यह बेहद खराब से गंभीर स्तर तक पहुंच सकती है। सोमवार की तेज बारिश से दिल्ली की हवा साफ हो गई थी। धूल के महीन कण पीएम10 हवा में पहुंचना बंद हो गए थे। पड़ोसी राज्यों में पराली जलने के मामलों में भी कमी आई थी। इनके मिले-जुले असर से साल में पहली बार हवा की गुणवत्ता अच्छी श्रेणी में चली गई है। सोमवार को सूचकांक 46 दर्ज किया गया था। दूसरे दिन मंगलवार को भी बारिश का असर दिखा और हवा की गुणवत्ता बेहतर रही, लेकिन खिली धूप में बुधवार को हवा में नमी का स्तर 47 फीसदी तक पहुंच गया। इससे धूल के महीन कणों का धरती से निकलना संभव हो गया। दूसरी तरफ पड़ोसी राज्यों में पराली जलाने के 746 मामले रिकार्ड होने से पीएम2.5 का हिस्सा 12 फीसदी चला गया। इससे वायु गुणवत्ता सूचकांक 221 दर्ज किया गया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के मुताबिक, दो दिन में प्रदूषण स्तर में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। बुधवार को सूचकांक 221 पर पहुंच गया। हवा का यह स्तर खराब श्रेणी में आता है। उधर, सफर का पूर्वानुमान है कि आने वाले दिनों में पड़ोसी राज्यों में पराली जलाने के मामले बढ़ने का अंदेशा है। हवा की दिशा उत्तर पश्चिम होने से पराली से निकलने वाले पीएम2.5 की मात्रा भी बढ़ेगी। अगर बारिश नहीं हुई तो अगले दो दिन में हवा खराब स्तर में पहुंच जाएगी। उसके बाद के तीन दिन में यह गंभीर स्तर तक पहुंच सकती है।

हाईकोर्ट ने कहा : सब्सिडी वाला खाद्यान्न आसानी से मिले, दिल्ली सरकार को हिदायत

नई दिल्ली । उच्च न्यायालय ने कहा कि यह सुनिश्चित करना राज्य के हित में है कि नागरिकों को सब्सिडी वाला खाद्यान्न आसानी से मिले। अदालत ने दिल्ली सरकार से कहा कि वह उन इलाकों में उचित मूल्य की दुकानें खोलने की आवश्यकाता की जांच करे जहां से निकटतम आउटलेट ढ़ाई किमी दूर है। न्यायमूर्ति नजमी वजीरी ने क्षेत्र में उचित मूल्य की दुकान (एफपीएस) खोलने के संबंध में राजीव रतन आवास योजना फेज-2, बापोला के निवासियों की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की। अदालत ने कहा कि यह उचित है कि एक एफपीएस या तो इलाके में ही खोला जाए या उसके तुरंत आसपास के क्षेत्र में ताकि राज्य में गरीब से गरीब व्यक्ति की अच्छी सेवा की जा सके। दिल्ली सरकार ने सुनवाई के दौरान अदालत को बताया कि चूंकि इस क्षेत्र में केवल 320 राशन कार्ड धारक हैं, इसलिए एफपीएस लाइसेंसधारक के लिए वहां एक दुकान को चलाना संभव नहीं है। उन्होंने कहा 2 रुपये प्रति किलोग्राम अनाज की छोटी राशि यानि मार्जिन-मनी की काफी कम है क्योंकि प्रत्येक एफपीएस लगभग एक हजार राशन कार्ड धारकों को आपूर्ति करता है। अदालत ने कहा कि एफपीएस आउटलेट के आवंटन के लिए दिल्ली सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के तहत, कुछ विशेष परिस्थितियों में जैसे कि समाज के गरीब वर्गों में बसे क्षेत्रों के लिए, एक एफपीएस कम संख्या के लिए भी खोला जा सकता है। अदालत ने 12 अक्तूबर को दिए निर्देश में कहा विशेष तथ्यों और परिस्थितियों में यह उचित है कि दिल्ली सरकार उपरोक्त स्थान पर या तत्काल आसपास के क्षेत्र में एक एफपीएस खोलें ताकि राज्य द्वारा निर्धनतम लोगों की अच्छी सेवा की जा सके। अदालत ने अपने आदेश में कहा यह सुनिश्चित करना राज्य के हित में है कि नागरिकों को दुर्गम क्षेत्रों के माध्यम से अपने तरीके से केवल रियायती मूल्यों पर खाद्यान्न प्राप्त करने के लिए चार्ट न लगाना पड़े।

2-3 साल के बच्चों के लिए वैक्सीन को फरवरी तक मिल सकती है मंजूरी : अदार पूनावाला

नई दिल्ली। पुणे स्थित सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के सीईओ अदार पूनावाला ने गुरुवार को कहा कि उनकी कंपनी ने कोविशील्ड वैक्सीन के प्रोडक्शन और डिस्ट्रिब्यूशन के लिए 10,000 करोड़ रुपये खर्च किए हैं. पूनावाला ने यह भी कहा कि सार्वजनिक जांच और जवाबदेही को संभालना उनके लिए सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक था. पूनावाला ने यह भी कहा कि उनकी कंपनी एक और कोविड-19 वैक्सीन कोवोवैक्स तैयार कर रही है जिसे बच्चों के लिए कई कारणों से चुना गया था और इसे अगले साल फरवरी तक मंजूरी मिल सकती है. सीएनबीसी टीवी-18 के साथ एक्सक्लूसिव इंटरव्यू में पूनावाला ने कहा, ÷हमने एस्ट्राजेनेका के साथ की गई साझेदारी पर दांव लगाया था. हमें बिल्कुल नहीं पता था कि कौन सा टीका काम करेगा. हमने अन्य निर्माताओं के साथ बड़े पैमाने पर मुद्दे देखे हैं.. एस्ट्राजेनेका-ऑक्सफोर्ड के साथ हमारा काम अच्छा रहा. हम कुछ कंपनियों से फिल एंड फिनिश के लिए बात कर रहे हैं. कई भागीदारों के साथ फिल-फिनिश किया जा सकता है. कोवोवैक्स को बायोकॉन या हमारी फैसिलिटी में भरा जा सकता है. पूनावाला ने कहा कि दुनिया भर में कोविड वैक्सीन के निर्यात के लिए

उनकी फर्म केंद्र सरकार के ऑर्डर का इंतजार कर रही है. पूनावाला ने कहा सरकार ने दिसंबर तक हर माह के लिए कोविशील्ड की 20 करोड़ डोज का ऑर्डर दिया है. अक्टूबर के अंत तक, हम कुछ निर्यात की फिर से शुरुआत कर सकते हैं. हम वर्तमान में स्टॉक्स को देखते हुए केंद्र सरकार के निर्देशों के इंतजार में हैं. कोवोवैक्स और वैक्सीन की उपलब्धता पर पूनावाला ने कहा कि, हमने कोवोवैक्स के लिए डब्ल्यूएचओ के पास डाटा जमा किया है. हमने कई कारणों से बच्चों के लिए वैक्सीन के रूप में कोवोवैक्स को कई कारणों से चुना है. वैक्सीन के स्टॉक के मामले में अब चिंता की कोई बात नहीं है. हमारे पास अभी एक महीने का स्टॉक उपलब्ध है. फरवरी तक, हमें 2-3 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए कोवोवैक्स की मंजूरी मिल जानी चाहिए. कैपेक्स से लेकर रिटेल तक का एक्सिक्यूशन सबसे कठिन हिस्सा था. हमने कोविशील्ड की 10,000 करोड़ से ज्यादा डोज का उत्पादन और वितरण किया है. हमें उन देशों को लगभग 200 मिलियन डॉलर वापस करने पड़े, जिन्हें हम निर्यात प्रतिबंधों के कारण आपूर्ति नहीं कर सके जिसके चलते कुछ फंड रिकॉर्ड से बाहर हो रहे हैं. हाल ही में, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा था कि भारत अगले महीने से वैक्सीन मैत्री कार्यक्रम के तहत कोविड-19 वैक्सीन का निर्यात शुरू करेगा. लेकिन सरकार की पहली प्राथमिकता अपने नागरिकों का टीकाकरण करना है.

फरार या भगोड़ा घोषित अपराधी अग्रिम जमानत का हकदार नहीं, सुप्रीम कोर्ट की अहम टिप्पणी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने धोखाधड़ी के एक मामले में पटना उच्च न्यायालय के आदेश को खारिज करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि फरार या भगोड़ा घोषित अपराधी अग्रिम जमानत का हकदार नहीं है। न्यायमूर्ति एम आर शाह और न्यायमूर्ति ए एस बोपन्ना की पीठ ने कहा कि उच्च न्यायालय ने दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 82 और 83 के तहत कार्यवाही की अनदेखी करते हुए आरोपी को अग्रिम जमानत देने में गलती की है। सीआरपीसी की धारा 82 के तहत कोई अदालत वारंट निष्पादित न होने की स्थिति में ऐसे आरोपी के बारे में उद्घोषणा प्रकाशित कर सकती है जिसके अदालत में पेश होने की जरूरत हो। सीआरपीसी की धारा 83 के अनुसार, ऐसी घोषणा जारी करने के बाद, अदालत भगोड़ा अपराधी की संपत्तियों को कुर्क करने का आदेश भी दे सकती है। पीठ ने कहा, इस अदालत द्वारा कहा जाता है कि अगर किसी को सीआरपीसी की धारा 82 के तहत भगोड़ा अपराधी घोषित किया जाता है, तो वह अग्रिम जमानत संबंधी राहत पाने का हकदार नहीं है। शीर्ष अदालत पटना उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती देने वाली एक अपील पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें निचली अदालत द्वारा सीआरपीसी की धारा 82 और 83 के तहत कार्यवाही शुरू किए जाने की अनदेखी करते हुए धोखाधड़ी के एक आरोपी को अग्रिम जमानत दे दी गई

100 करोड़ टीके : शशि थरूर ने मोदी सरकार को दिया क्रेडिट तो बिफरे कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा

नई दिल्ली । देश ने कोरोना संक्रमण के खिलाफ जंग में खास उपलब्धि हासिल कर ली है। भारत में कोविड-19 टीकों की अब तक दी गई खुराकों की संख्या गुरुवार को 100 करोड़ के पार चली गई। दुनियाभर से केंद्र सरकार को मिल रहे बधाई संदेशों के बीच कांग्रेस नेता शशि थरूर ने मोदी सरकार को इस उपलब्धि का श्रेय दिया है। हालांकि, कांग्रेस के प्रवक्ता पवन खेड़ा को यह रास नहीं आया और उन्होंने थरूर की बात को काटते हुए कहा है कि श्रेय देना उन लाखों लोगों के परिवार का अपमान है, जिन्हें इस महमारी में कुप्रबंधन की वजह से दिक्कतें हुईं।

भारत में कोविड-19 टीकों की अब तक दी गई खुराकों की संख्या 100 करोड़ के पार चले जाने के मौके को मोदी सरकार बड़ी जीत के रूप में पेश कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत ने इतिहास रच दिया है। उन्होंने टीकाकरण की इस उपलब्धि को भारतीय विज्ञान, उद्यमों और 130 करोड़ भारतीयों की सामूहिक भावना की जीत करार दिया। मोदी देश के यह उपलब्धि हासिल करने के मौके पर राम मनोहर लोहिया अस्पताल भी पहुंचे। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए थरूर ने ट्वीट किया, यह सभी भारतीयों के लिए गर्व का विषय है। आइए इसका श्रेय सरकार को दें। तिरुवनंतपुरम से लोकसभा सांसद थरूर ने यह भी कहा, कोरोना की दूसरी लहर में गंभीर कुप्रबंधन और वैक्सीनेशन ऑर्डर्स पर रोक लगाने के बाद, सरकार आखिरकार आंशिक रूप से खुद को दुरुस्त किया।

पहले की असफलताओं के लिए यह अब भी उत्तरदायी है। सरकार को क्रेडिट देना कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा को रास नहीं आया। उन्होंने थरूर को ट्विटर पर ही जवाब देते हुए लिखा, सरकार को क्रेडिट देना उन लाखों लोगों का अपमान है, जिन्होंने तकलीफ झेली और अब भी कोविड कुप्रबंधन के प्रभाव से तकलीफ झेल रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, क्रेडिट मांगने से पहले पीएम उन परिवारों से माफी मांगनी चाहिए। क्रेडिट वैज्ञानिकों और चिकित्सा बिरादरी को जाता है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बोले, आपदा की घड़ी में देवभूमि उत्तराखंड के साथ है केंद्र सरकार

नई दिल्ली । केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि आपदा की इस घड़ी में केंद्र सरकार पूरी तरह से देवभूमि उत्तराखंड के साथ है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में आपदा राहत को लेकर किसी भी तरह की लापरवाही नहीं की जाएगी। राहत और बचाव कार्य को और तेज गति से अंजाम दिया जा रहा है। जल्द ही उत्तराखंड में सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त कर दी जाएंगी। गुरुवार को उत्तराखंड के आपदा प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण करने के बाद केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने जौलीग्रांट एयरपोर्ट स्थित राय अतिथि गृह में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक के पश्चात पत्रकारों से बातचीत करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि केंद्र सरकार ने 24 घंटे पहले उत्तराखंड में आपदा को लेकर अलर्ट जारी कर दिया था। अधिकांश मोबाइल यूजर को समय पर मैसेज भी भेजे गए थे। जिसका परिणाम यह रहा कि इस भीषण आपदा में कम से कम जान माल का नुकसान हुआ। सरकार ने 24 घंटे पहले ही चार धाम यात्रा को रोक दिया था। जिसके परिणाम स्वरूप चारधाम यात्रा पर किसी भी तरह की आंच नहीं आई और अब यात्रा को शुरू भी कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि आपदा के तत्काल बाद केंद्र व राय सरकार की सभी एजेंसियां सक्रिय हो गई थी। सेना, एनडीआरएफ, आइटीबीपी, एसडीआरएफ, पुलिस तथा दमकल दस्तों को समय रहते आपदा राहत कार्यों में लगा दिया गया। जिससे सरकार सा? तीन हजार नागरिकों को रेस्क्यू करने में सफल रही। इतना ही नहीं 16 हजार से अधिक नागरिकों को सरकार ने सुरक्षित भी किया। उन्होंने कहा कि नैनीताल हल्द्वानी तथा अल्मोड़ा की तीन सड़कों को छोड़कर शेष सभी सड़कों पर आवाजाही शुरू कर दी गई है। उन्होंने बताया कि कुछ स्थानों पर सड़कें 25 मीटर से अधिक क्षतिग्रस्त हो गई हैं, जिन्हें तैयार करने में कुछ वक्त लग सकता है। सभी आपदा प्रभावित क्षेत्रों में बिजली और पानी बहाल कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि आपदा के पहले दिन से ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विशेष तौर पर उत्तराखंड में स्थिति को नियंत्रित करने के लिए केंद्र व राय के अधिकारियों को विशेष निर्देश दिए थे। केंद्र सरकार ने आपदा राहत के लिए ढाई सौ करोड रुपये उत्तराखंड को दे दिए हैं। राय सरकार अपने खजाने से भी आपदा राहत में खर्च कर रही है। इसके अलावा भारत सरकार के संयुक्त सचिव की देख-रेख में उत्तराखंड में आपदा प्रभावित क्षेत्रों का सर्वे कराया जा रहा है। यदि आपदा राहत में और धन की जरूरत होगी तो केंद्र सरकार पूरी मदद करेगी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आपदा प्रबंधन के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की तारीफ की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने अपनी पूरी क्षमताओं के साथ आपदा प्रबंधन का कार्य संभाला। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में प्रत्येक वर्ष इस तरह की आपदाओं से सामना करना पड़ता है। इसके लिए सरकार हिमालयी क्षेत्रों में तकनीकी विस्तार तथा आपदा प्रबंधन के लिए ठोस कदम उठाने जा रही है। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार आपदा की इस घड़ी में पूरी तरह से देवभूमि उत्तराखंड के साथ है इस दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, केंद्रीय रक्षा राय मंत्री अजय भट्ट, प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक, रायपाल ले. जनरल गुरमीत सिंह (सेवानिवृत्त), रायसभा सदस्य अनिल बलूनी, पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज आदि मौजूद रहे।

सुप्रीम कोर्ट की फटकार पर जागी सीबीआई, कहा- 2022 तक 75 फीसदी केस कर लेंगे सॉल्व

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो द्वारा अपने हाथ में लिए गए मामलों में 'सफलता दर' नीचे चले जाने की धारणा संबंधी उच्चतम न्यायालय की टिप्पणी के कुछ दिन बाद एजेंसी ने उसे सूचित किया है कि उसने दोष सिद्धि दर करीब 65-70 फीसद हासिल कर ली है जिसे वह अगस्त 2022 तक 75 फीसद तक ले जाएगी. शीर्ष अदालत में दाखिल हलफनामे में सीबीआई निदेशक एस के जायसवाल ने कहा कि सीबीआई ने दोषियों की दोषसिद्धि में 2020 में 69.83 और 2019 में 69.19 फीसद सफलता हासिल की थी. जायसवाल ने हलफनामे में कहा, सीबीआई निदेशक का पदभार ग्रहण करने के बाद अन्य बातों के अलावा जो मुख्य कदम उठाये गये उनमें एक कदम अक्टूबर, 2021 में मुख्य कार्यकारियों अधिकारियों के साथ साथ सहायक जन अभियोजक के स्तर और उनसे ऊपर के सभी अधिकारियों की बैठक कर अभियोजन निदेशालय में सुधार लाने के लिए था. उन्होंने कहा, वर्तमान अगस्त, 2022 तक 75 फीसद मामलों में आरोप साबित हो इस दिशा में प्रयास किए जाएंगे. सीबीआई ने शीर्ष अदालत को बताया कि 2020 और 2021 में सीबीआई के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सघन चर्चा के बाद व्यवस्था की समग्र समीक्षा की गई क्योंकि ऐसा करना जरूरी था. उसने कहा कि पुराने दिशानिर्देशों के स्थानों पर नये

दिशानिर्देश जारी किये गये जिसमें सीबीआई के लिए ऊपरी अदालतों में अपील दायर करने एवं उनपर नजर रखने से संबंधित विषयों पर निगरानी पर जोर दिया गया. जांच एजेन्सी ने कहा कि किसी दिये गये अभियोजन मामले में अपील/पुनरीक्षण दायर की जाए या नहीं- इस विषय पर सीबीआई का प्रयास अंतर-विभागीय निर्णय शीघ्र (कोशिश हो कि 30 दिन के अंदर) लेना है ताकि देरी के आधार पर माफी की संभावना को टाला जा सके. सीबीआई ने कहा, यह बताया जाता है कि सीबीआई द्वारा अपील/विशेष अनुमति याचिका दायर करने में अन्य कार्मिक विभाग, केंद्रीय एजेंसी खंड, विधि एवं न्याय मंत्रालय समेत एजेंसियों/विभाग की भूमिका भी होती है.

अन्य एजेंसियों / विभागों द्वारा ऐसे मामलों के निस्तारण में तेजी लाने के लिए तथा सीबीआई द्वारा बेहतर तालमेल के लिए सीबीआई में एक विशेष प्रकोष्ठ बनाया गया है ताकि अपील दायर करने के प्रस्तावों में निगरानी एवं तालमेल बना रहे. यह हलाफनामा तीन सितंबर को उच्चतम न्यायालय द्वारा पूछे गये सवालों के जवाब में दाखिल किया गया है. सीबीआई ने कहा कि फिलहाल आठ रज्यों - पश्चिम बगाल, महाराष्ट्र , केरल, पंजाब, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मिजोरम ने दिल्ली विशेष पुलिस प्रतिष्ठान अधिनियम की धारा छह के तहत सीबीआई को दी गई आम मंजूरी वापस ले ली है जिससे मामले दर मामले पर इन राज्यों से सहमति प्राप्त करने में वक्त बहुत लग जाता है और यह त्वरित जांच के रास्ते में रूकावट है. शीर्ष अदालत ने अधिवक्ता मोहम्मद अलताफ मोहंद और शेख मुबारक के मामले में जम्मू कश्मीर उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली अपील पर सुनवाई कर रही थी. यह अपील 542 दिन के विलंब से दायर की गयी थी.

उत्तर प्रदेश चुनावः पीएम मोदी के बाद सीएम योगी के गड़ में डंका बजाएंगी प्रियंका, 31 अक्तूबर को महिला शक्ति के प्रचंड प्रदर्शन की तैयारी

नई दिल्ली । प्रियंका गांधी अपनी पूरी ताकत के साथ उत्तर प्रदेश के राजनीतिक मैदान में डट गई हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चुनाव क्षेत्र वाराणसी में नवरात्रों के दौरान बडी रैली कर अपना इरादा साफ कर चुकीं प्रियंका गांधी अब 31 अक्तूबर को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के किले गोरखपुर में डंका बजाने की तैयारी कर रही हैं। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की शहादत के दिन गोरखपुर में दो लाख से यादा लोगों की विशाल रैली आयोजित की जाएगी, जिसमें सबसे यादा संख्या महिलाओं की होने की उम्मीद है। प्रियंका की योगी के किले को महिला शक्ति से भेदने की तैयारी है। पार्टी कार्यकर्ता कार्यक्रम को सफल बनाने में जुट गए हैं। पार्टी के एक नेता के अनुसार, पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी आज भी महिला शक्ति की बडी प्रतीक मानी जाती हैं। प्रियंका गांधी ने महिलाओं को टिकट बंटवारे में 40 फीसदी हिस्सेदारी देने की घोषणा कर रखी है। गोरखपुर की रैली में महिला शक्ति की बडी उपस्थिति दिखाकर पार्टी अपने इस दावे को और पुष्ट करने का काम करेगी। इस रैली से महिलाओं को यह विश्वास दिलाने की कोशिश की जायेगी कि यदि वे आगे बडना चाहेंगी तो पार्टी पूरी ताकत के साथ उनके साथ खडी रहेगी।

पूर्वांचल पर ही क्यों है खास ध्यान

दरअसल, पूर्वांचल में उत्तर प्रदेश विधानसभा की लगभग 125 सीटें आती हैं। यदि कोई राजनीतिक दल इस इलाके में अपनी पैठ मजबूत कर लेता है तो वह यूपी की बडी सियासी ताकत बन सकता है। संभवतः यही कारण है कि प्रधानमंत्री मोदी ने अपने चुनाव प्रचार के अभियान में भी इसी पूर्वांचल को सबसे यादा अहमियत दी थी। अब कांग्रेस भी अपनी जडों की तलाश में दोबारा इसी क्षेत्र में आई है। यह क्षेत्र कभी कांग्रेस की पारंपरिक भूमि हुआ करता था। ब्राह्मण, क्षत्रिय, पिछडी और दलित आबादी के उचित मिश्रित आबादी वाला यह क्षेत्र कांग्रेसी राजनीति की असली कसौटी हुआ करता था, जो समाज के सभी तबके को एक साथ लेकर चला करती थी।

कांग्रेस की कमजोर स्थिति में भी यहां पार्टी के पर्याप्त समर्थक वोटर और कार्यकर्ता मौजूद हैं। बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के छात्र संघ चुनावों में पार्टी को मिली बडी जीत बताती है कि यहां के युवा मतदाताओं में अभी पार्टी की विचारधारा के लिए पर्याप्त जगह बाकी है।

पार्टी नेता मानते हैं कि यदि इस क्षेत्र में पूरी ताकत के साथ काम किया गया तो इन उम्मीदों को संजोया जा सकता है और पार्टी दोबारा उत्तर प्रदेश में खडी हो सकती है। यही कारण है कि कांग्रेस ने पूरी रणनीति के अंतर्गत यूपी के पूर्वांचल के हिस्से को अपनी चुनावी अभियान के केंद्र में रखा है। इसी रणनीति के अंतर्गत सबसे पहले प्रियंका गांधी की काशी में रैली आयोजित की गई, तो अब गोरखपुर में रैली आयोजित करने की तैयारी है। इसके कुछ समय बाद प्रयागराज में भी रैली आयोजित की जाएगी।पूर्व कांग्रेस सांसद राजेश मिश्रा ने अमर उजाला को बताया कि प्रियंका गांधी ने अपनी उपस्थिति से केवल कांग्रेस कार्यकर्ताओं में ही उत्साह नहीं भरा है, बल्कि पूरे राय के चुनावी माहौल को गर्म कर दिया है। यह तेजी अब लगातार जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के सभी महानगरों में प्रियंका गांधी की बडी-बडी रैलियां आयोजित की जाएंगी। काशी के बाद गोरखपुर में रैली आयोजित की जा रही है। इसके बाद प्रयागराज, मेरठ, झांसी और अन्य इलाकों में भी कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे। कांग्रेस नेता ने कहा कि महिलाओं के लिए 40 फीसदी सीटें आरक्षित कर प्रियंका गांधी ने सत्ता पक्ष के साथ-साथ अन्य विपक्षी दलों को भी अपनी चुनावी रणनीति को दोबारा संयोजित करने के लिए मजबूर कर दिया है। उन्होंने उम्मीद जाहिर की कि कांग्रेस इस चुनाव में न केवल मजबूती के साथ दोबारा खडी होने में सफल रहेगी, बल्कि सबसे मजबूत पार्टी बनकर भी उभरेगी।

सम्पादकीय

खेती-किसानी की बात: साहसी फैसले की कीमत

हमारे पड़ोसी देश श्रीलंका में खाने-पीने की वस्तुओं का संकट खड़ा हो गया है। हालात इतने खराब हुए कि वहां खाद्य-आपातकाल लगाना पड़ा और आलू, चावल जैसी जरूरी चीजों के वितरण का जिम्मा फौज के हाथों में दे दिया गया। कोविड के कारण श्रीलंका की आर्थिक समृद्धि के मूल कारक पर्यटन को भारी नुकसान हुआ, लेकिन दो करोड़ 13 लाख की आबादी वाले इस छोटे से देश ने इसी साल अप्रैल में एक क्रांतिकारी कदम उठाया। सरकार ने पूरी खेती को रासायनिक खाद और कीटनाशक से मुक्त कर शत-प्रतिशत जैविक खेती में बदलने का फैसला किया। बगैर रसायन के हर दाना उगाने वाला पहला देश बनने की चाहत में श्रीलंका ने कीटनाशकों, उर्वरकों और कृषि रसायनों के आयात और उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया। श्रीलंका के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में खेती-किसानी की भागीदारी 8.36 फीसदी है और देश के कुल रोजगार में खेती का हिस्सा 23.73 फीसदी है। श्रीलंका सरकार का मानना है कि भले ही रसायन वाली खेती से कुछ अधिक फसल आती है, लेकिन उसके कारण पर्यावरण क्षरण, जल प्रदूषण हुआ है, और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में वृद्धि हो रही है। चूंकि देश जलवायु परिवर्तन की मार झेल रहा है, ऐसे में देश को बचाने का एकमात्र तरीका है-खाद्य उत्पादन को रसायन से पूरी तरह मुक्त करना। हालांकि विशेषज्ञों का अनुमान है कि इससे फसलें देश के सामान्य उत्पादन के लगभग आधी रह जाएंगी। श्रीलंका का यह निर्णय पर्यावरण, खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और जमीन की सेहत के लिहाज से है तो सराहनीय, लेकिन सरकार ने किसानों को जैविक खेती के लिए व्यापक प्रशिक्षण तक नहीं दिया। इसके अलावा, सरकार के पास पर्याप्त मात्रा में जैविक खाद भी उपलब्ध नहीं हैं। एक अनुमान के अनुसार, देश में हर दिन लगभग 3,500 टन जैविक कचरा उत्पन्न होता है। इससे सालाना आधार पर लगभग 20-30 लाख टन कंपोस्ट का उत्पादन किया जा सकता है। हालांकि, सिर्फ धान की जैविक खेती के लिए पांच टन प्रति हेक्टेयर की दर से सालाना लगभग 40 लाख टन खाद की आवश्यकता होती है। चाय बागानों के लिए जैविक खाद की मांग 30 लाख टन और हो सकती है। जाहिर है, श्रीलंका को बड़े स्तर पर जैविक उर्वरकों के घरेलू उत्पादन की आवश्यकता है। इस बीच अंतरराष्ट्रीय खाद-कीटनाशक लॉबी भी सक्रिय हो गई है और दुनिया को बता रही है कि श्रीलंका जैसा प्रयोग करने पर कितने संकट आएंगे। प्लांट पैथोलॉजिस्ट स्टीवन सैवेज के एक अध्ययन के अनुसार, जैविक खेती की पर्यावरणीय लागत और दुष्प्रभावों का अपना हिस्सा है- समूचे अमेरिका में जैविक खेती के लिए 10.9 करोड़ से अधिक एकड़ कृषि भूमि की आवश्यकता होगी-जो देश की वर्तमान शहरी भूमि से 1.8 गुना अधिक है। एक बात और कही जा रही है कि जैविक खेती के कारण किसान को साल में दो फसल मिलने में भी मुश्किल होगी, क्योंकि ऐसी फसल समय लेकर पकती है, जिससे उपज अंतराल में और वृद्धि हो सकती है। उपज कम होने पर गरीब लोग बढ़ती कीमत की चपेट में आएंगे। पर यह भी सच है कि अंधाधुंध रसायन के इस्तेमाल से तैयार फसलों के कारण हर साल कोई पच्चीस लाख लोग पूरी दुनिया में कैंसर, फेफड़ों के रोग आदि से मारे जाते हैं। अकेले कीटनाशक के इस्तेमाल से आत्महत्या करने वालों का सालाना आंकड़ा तीन लाख है। ऐसे उत्पाद खाने से आम लोगों की प्रतिरोधक क्षमता कम होने, बीमार होने और असामयिक मौत से आम लोगों पर भारी आर्थिक बोझ पड़ता है और इंसान के श्रम कार्य दिवस भी प्रभावित होते हैं। श्रीलंका की नई नीति से भले ही आज खाद्य-आपातकाल जैसे भयावह हालात हो गए हों, पर यह लोगों को जहर मुक्त संतुलित आहार के अधिकार की गारंटी दे रही है।

एअर इंडिया की बिक्री निजीकरण की मास्टरक्लास, उम्मीद है कि एअर इंडिया की बिक्री से स्वस्थ निजीकरण के प्रति मानसिकता बदलेगी

चेतन भगत

एअर इंडिया बिक गई। पूरी की पूरी। इस बिक्री पर पिछले 20 वर्षों से काम चल रहा था, जिसमें कई असफल प्रयास हुए। कल्पना कीजिए किसी के लिए दूल्हा या दुल्हन ढूंढे जा रहे हों और रिश्ता 20 साल बाद मिले। हमें सच में कहना होगा, बहुत-बहुत बधाई हो। भारत सरकार से टाटा तक, जो वास्तव में मूल संस्थापक-मालिक थे। निजीकरण और विनिवेश के प्रयासों पर नजर रखने वाले लोगों की बोरियत से भरी एअर और पढ़ाकू दुनिया में यह छोटा-सा चमत्कार हो सकता है। लेकिन अंदर से अब भी मुझे यह विश्वास नहीं हो रहा कि एअर इंडिया बिक चुकी है। एअर इंडिया के बेड़े के हवाईजहाज शायद भारत सरकार के सबसे महंगे खिलौने थे। तमाम प्रयासों के बावजूद इससे सरकार को हर साल हजारों करोड़ रुपए का नुकसान हो रहा था। बिक्री के समय कंपनी पर 65 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा का कर्ज था। टाटा को बोली जीतने के बाद मौजूदा कर्ज में से करीब 15 हजार करोड़ ही चुकाने होंगे, जबकि बाकी का कर्ज (40 हजार करोड़ रुपए से भी ज्यादा) सरकार संविलयन कर खुद चुकाएगी। यह नुकसान उन कई हजार करोड़ रुपयों में जुड़ जाएगा, जो सरकार पिछले कुछ दशकों से लगातार एअर इंडिया पर खर्च कर रही थी। और फिर भी इन तथाकथित 'नुकसानों' के बावजूद, सरकार की इस डील को पूरा करने के लिए सराहना होनी चाहिए। एअर इंडिया महज एक एअरलाइन नहीं थी, वह निरंतर घाटे वाली कंपनी थी, जो अब पैसे नहीं कमा पा रही था, खासतौर पर बड़े कर्ज के ब्याज का बोझ उठाने के कारण। सरकार द्वारा एअर इंडिया को बेचने का मतलब है, उसे होने वाले नुकसान का तुरंत बंद हो जाना, जो कुछ अनुमानों के मुताबिक 20 करोड़ रुपए प्रतिदिन तक था। यह ऐसा पैसा है जो विकास और जनकल्याण पर खर्च किया जा सकता है। बेशक, सरकार कर्ज का संविलयन कर सकती थी और एअरलाइन को समान प्रबंधन के तहत एक नई शुरुआत दे सकती थी। लेकिन उसने ऐसा नहीं किया क्योंकि उसे अहसास हुआ कि सिर्फ कर्ज समस्या नहीं थी, कर्ज में डूबने के पीछे का कारण यानी खराब प्रबंधन समस्या था। कर्ज को साफ करते रहने, बिलों का भुगतान करते रहने और एअरलाइन को पहले ही तरह ही चलाते रहने से कुछ नहीं बदलता और नुकसान जारी रहता। किसी अनजाने कारण से एअर इंडिया 'राष्ट्रीय गर्व' का प्रतीक बन गई थी, जिससे इसे बेचना और मुश्किल हो गया था। खासतौर पर ऐसी सरकार के लिए जिसके लिए राष्ट्रवाद मुख्य राजनीतिक आधारों में से एक है। फिर भी सरकार ने इसे बेच दिया। एअर इंडिया कोई भारतीय एअर फोर्स नहीं है। एक घाटे वाली, पैसा बर्बाद करने वाली, वैश्विक रेटिंग्स में निचले स्तर पर बैठी एअरलाइन राष्ट्रीय गर्व का प्रतीक नहीं हो सकती, चाहे उसका मालिक, इतिहास या नाम कुछ भी रहा हो। राष्ट्रीय गर्व उत्कृष्टता से आता है और एअर इंडिया फिलहाल इसके लिए नहीं जानी जाती।

किसी भी सामान्य समय में घाटे वाली, सरकारी कर्मचारियों के स्टाफ वाली एअरलाइन को बेचना मुश्किल काम है, पर उसे ऐसे समय में बेचने के लिए अतिरिक्त सराहना होनी चाहिए, जब ज्यादातर अंतरराष्ट्रीय यात्राएं प्रभावित हैं। इस सौदे पर काम करने वाली भारत सरकार की पूरी टीम बधाई की पात्र है। एअर इंडिया का निजीकरण कोई साधारण बात नहीं है। यह एक हाई-प्रोफाइल और सभी जगह नजर आने वाली कंपनी है। एअर इंडिया की 100त्न बिक्री बताती है कि निजीकरण किया जा सकता है और नागरिकों को इसपर कोई एतराज नहीं है। बिक्री की घोषणा पर इसका थोड़ा-बहुत ही विरोध हुआ था।

यह निजीकरण का मौसम है, सरकार को ऐसे और निजीकरण करने चाहिए। एअर इंडिया की बिक्री में भविष्य के विनिवेशों के लिए अच्छे सबक हैं। यह रहे शीर्ष तीन बुनियादी सच, जिन्हें दिमाग में रखना जरूरी है, ताकि सार्वजनिक क्षेत्र के किसी और उपक्रम को बेचने में 20 साल न लगें।

1. निजीकरण को जीवन के हिस्से के रूप में स्वीकारें, इसपर बहस करने का कोई फायदा नहीं है

इस पर अब पर्याप्त डेटा मौजूद है कि सरकार को ज्यादातर बिजनेस नहीं चलाने चाहिए। हां, यह सच है कि किसी को सभी निजीकरणों पर आंख मूंदकर भरोसा नहीं करना चाहिए। हालांकि, प्रत्येक निजीकरण को 'भारी छूट पर बिक्री' या 'कौड़ियों के भाव अपनी मूल्यवान चीज से छुटकारा पाना' नहीं मानना चाहिए। सच कहूं तो ऐसी चीज, जो आगे जाकर मूर्खतापूर्ण निवेश साबित होगी, उसे अपने पास बनाए रखने से अच्छा है, उसे बेच दिया जाए। निजीकरण बनाम राष्ट्रीयकरण बहसों में वैधता है, लेकिन इन्हें दो मूर्खतापूर्ण बातें नहीं कहा जा सकता है। सार्वजनिक क्षेत्र के कुछ उपक्रमों (पीएसयू) को निजीकरण की जरूरत है और होगी, इसे स्वीकार करें।

2. सौदे के लिए सही कीमत लगाएं

एअर इंडिया को बेचने के प्रयास वर्ष 2001, 2018 और यहां तक कि 2020 में भी असफल हुए थे। ज्यादातर बार बात कीमत पर अटकी। सरकार हमेशा ही ऋण के कुछ हिस्से के संविलयन को तैयार थी, लेकिन मुद्दा था कितना? आज, टाटा को एअरलाइन की सिर्फ 30त्न देनदारी का बोझ उठाना होगा। इससे पहले के प्रयास असफल रहे क्योंकि निजी कंपनियों से 50त्न या 40त्न देनदारियों का बोझ उठाने की उम्मीद की जा रही थी।

पीएसयू की बिक्री कौड़ियों के भाव चांदी बेचने जैसा नहीं है। पीएसयू वित्तीय संपत्तियां हैं, जिनका सही मोल लगाना जरूरी है। वर्ना, कोई भी इन्हें खरीदने आगे नहीं आएगा। इस सौदे में टाटा का भी लाभ होना चाहिए। टाटा कंपनी इस उम्मीद में बड़ा जोखिम उठा रही है कि वह एअरलाइन का कायाकल्प कर पाएगी और सरकारी फायदे उठाने के आदी स्टाफ का प्रबंधन कर पाएगी। इसके लिए टाटा को कुछ पैसा कमाना होगा।

आसमान बुझता ही नहीं, और दरिया रौशन रहता था; आखिर क्यों देवभूमि विचलित हो उठी है, क्यों बादल फटने लगे?

नवनीत गुर्जर

समतल पर पैदा होने वाले, पठारों में रहने वाले लोगों का पहाड़ों ने हमेशा स्वागत किया है। वर्षों से स्वागत करते रहे हैं। ये पहाड़ हमारे लिए धुली बर्फ के नम्दे डालकर आसन बिछाते हैं। ढलानों पर बहुत से जंगलों के खेमे खींचते हैं। तनाबें बांध रखते हैं देवदार के मजबूत पेड़ों से। अपने हाथों से काढ़े हुए, पलाश और गुलमोहर के तकिए लगाते हैं। हमारे रास्ते में छांव छिड़कते हैं। बादल धुन्ते रहते हैं, फिर भी वादियां खाली नहीं होतीं। इतनी उदारता, इतना स्वागत, इतना नेह अब कहां चला गया? क्यों वे देवदार के पत्ते तलवार बन गए? क्यों वह नरम बर्फ नुकीली हो गई? आखिर क्यों देवभूमि विचलित हो उठी है? क्यों बादल फटने लगे? क्यों मनुष्य मरने लगे? क्यों? वैसे कोहरे में लिपटी, सिमटी हुई इन वादियों को पूरे बरस नज़ला रहता है। बर्फ पड़े तो नाक जम जाती है। धूप पड़े तो फिर बहने लगती है। पतझड़ में भी छींकों की झड़ी सी लगी रहती है। छींटे उड़ते रहते हैं। बरस भर सुडक-सुडक करती रहती हैं। लेकिन इस तरह का भयानक दौर कम ही देखा है। मनुष्यों को चपेट में लेकर बहा ले जाना, मार देना, पता तक नहीं लगने देना, पहाड़ों की ऐसी फ़ितरत कभी नहीं रही। पहाड़ ऐसे कभी नहीं थे! दरअसल, हम मनुष्यों ने, ख़ासकर समतल, पठारों वालों ने अपने लालच के कारण पहाड़ों को गुस्सा दिलाया है। ज्और दिन-ब-दिन उनके गुस्से को बढ़ाया भी है। कभी उनके सिर पर कुल्हाड़े चलाए। लगातार चलाते जा रहे। कभी उनकी छाती में खंजर घोंपे, लगातार घोंपे जा रहे हैं। उनके पैर जिन्हें धो-धोकर पीना था, पीते रहना था, हम काट- काटकर खा गए। बेच भी डाले! गलियों, पगडंडियों में उन्होंने जो छांव छिड़क रखी थी, हम पूरी की पूरी घोलकर पी गए। गुस्सा तो आएगा! मनुष्यों का गुस्सा जब महाभारत जैसे युद्ध करवा देता है तो वे तो पहाड़ हैं। उनका धैर्य जितना बड़ा और विशाल होता है, गुस्सा भी उतना ही भयंकर और विकराल होना लाज़िमी है। आखिर, लगभग आधी सदी से भी ज्यादा समय से हम यही सब तो कर रहे हैं। कभी विकास के नाम पर, कभी लालच के वशीभूत होकर, पेड़ों को काट रहे हैं। पहाड़ों को छील रहे हैं। उन्हें समतल बनाने से भी नहीं चूक रहे हैं। पहाड़ों का अस्तित्व मिटाने जाएंगे तो क्या-क्या भुगतना पड़ सकता है, इसका एहसास तो होना ही चाहिए! अफसोस इस बात का है कि हमें यह सब करते हुए एहसास तक नहीं होता कि यह ठीक है या नहीं? इसके परिणाम भयंकर होंगे या प्रलयकारी? जिस दिन समतल वालों को पहाड़ों, नदियों के दर्द का एहसास हो जाएगा, सबकुछ ठीक हो जाएगा। वरना न नदियां रहेंगी, न पहाड़ बचेंगे। आने वाली पीढ़ियां फिर किताबों और उनमें वर्णित कहानियों में ही पढ़ेंगी- कि रात पहाड़ों पर कुछ और ही होती थीज। आसमान बुझता ही नहीं और दरिया रौशन रहता था।

बांग्लादेश: हिंदुओं का भरोसा जीतने की चुनौती

तस्लीमा नसरीन

माननीया प्रधानमंत्री, शेख हसीना, आप बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान की बेटी हैं। बांग्लादेश में जितने भी बौद्धिक व विवेचक हैं, वे आप पर भरोसा करते हैं। किसी भी दुर्योग का मुकाबला कर पाने में आप ही सक्षम हैं। इसलिए अभी वहां जो कुछ हो रहा है, उस पर अंकुश लगाने के लिए आपको सख्त होना पड़ेगा। धर्मनिरपेक्षता के सपने के साथ जिन लोगों ने इकहत्तर में बांग्लादेश में मुक्तियुद्ध को अंजाम दिया था, कुछ गलत लोग लंबे समय से उस धर्मनिरपेक्षता को ध्वस्त करने के एजेंडे में लगे हुए हैं। उस धर्मनिरपेक्षता को फिर से शक्तिशाली और प्रासंगिक बनाने की क्षमता आप ही में है। हम सभी जानते हैं कि हाल के दशकों में वहां एक नई पीढ़ी आकार ले चुकी है, जिसकी असहिष्णुता तथा गैर-मुस्लिमों व नारियों के प्रति विद्वेष की भावना धीरे-धीरे भीषण होती गई है। ये लोग ईर्ष्या, घृणा और विद्वेष के हथियारों के साथ अपने पड़ोसियों पर हमला बोलने के लिए दौड़ रहे हैं। दूसरी भाषा और दूसरी संस्कृति के साथ रह न पाने के कारण ही इकहत्तर में हम अपनी बांग्ला भाषा और संस्कृति के साथ अलग हुए थे। आज अगर बंगाली ही दूसरे बंगाली को निशाना बनाए, तो इकहत्तर के हमारे शत्रु के ही हाथ मजबूत होंगे। बांग्लादेश में इस असहिष्णु पीढ़ी को जो लोग तैयार कर रहे हैं, उनकी शिनाख्त करनी होगी और संकीर्णता, विभाजन और विद्वेष की भावना से लोगों को मुक्त करना होगा। इसके बगैर देश का भविष्य भयावह है। मैं नहीं जानती कि समूचे बांग्लादेश में हिंदुओं पर इतने बड़े हमले के बाद कितने हिंदू वह देश छोड़ देंगे। मेरी आशंका है कि हिंदुओं की एक बड़ी आबादी रात के अंधेरे में अपने पुरखों की देहरी छोड़ निकल लेगी। अपना अस्तित्व बचाने के लिए अल्पसंख्यक समुदाय लंबे समय से देश छोड़ने के लिए अभिशप्त है। बांग्लादेश का अल्पसंख्यक समुदाय दूसरी किसी भी सरकार की तुलना में आपके सत्ता काल में तुलनात्मक रूप से सुरक्षित महसूस करता आया है। हिंदू, बौद्ध और ईसाई आपके दौर में जितने सुरक्षित रहे हैं, उतने किसी और सरकार में नहीं। अपने भाषणों में आपने बार-बार कहा है, जो लोग हिंदुओं के घरों में आग लगाते हैं, आप उन्हें कठोर सजा देंगी। अगर सचमुच अपराधियों को सजा मिलती, तो हिंदुओं के सामने अपने पुरखों का गांव-घर छोड़ जाने की विवशता न होती। अफगानिस्तान और पाकिस्तान में निरंतर अत्याचार के कारण अल्पसंख्यक आबादी धीरे-धीरे नगण्य होती जा रही है। अगर बांग्लादेश में भी ऐसा ही हुआ, तो धर्मनिरपेक्ष लोगों के बीच आपकी छवि क्या रह जाएगी? इसलिए इस क्षण सभी को देश के अल्पसंख्यक समुदाय को सौ फीसदी सुरक्षा प्रदान करने की शपथ लेनी होगी। पीड़ित और असहाय हिंदुओं की आर्थिक सहायता करनी होगी, ताकि वे अपने ध्वस्त घरों और दुकानों का पुनर्निर्माण करा सकें। और दूसरा जरूरी काम यह है कि जो मुल्ला-मौलवी लोगों को हिंदुओं और महिलाओं के खिलाफ उकसाते हैं, उन पर कड़ी कार्रवाई करनी होगी। बांग्लादेश की नई पीढ़ी को पथभ्रष्ट करने के लिए सबसे अधिक जिम्मेदार ये मुल्ले ही हैं। वहां की जनता यह भी जानती है कि अगर आप ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कदम उठाना चाहें, तो आसानी से उठा सकती हैं, क्योंकि आप इस समय सबसे अधिक ताकतवर हैं। यह कहना गलत नहीं कि बांग्लादेश में आज कोई विपक्ष नहीं है। फिर आपका विरोध करेगा कौन? हिफाजत-ए-इस्लाम नाम के जिस समूह ने पिछले दिनों सांप्रदायिक हिंसा की कुछ घटनाओं को अंजाम दिया था, आपने जरूरी सख्ती दिखाकर उस पर अंकुश लगाया ही है। ऐसे में, हिंदुओं को निशाना बना रहे कुछ मुल्ला-मौलवियों का दमन आप सहजता से कर सकती हैं। इस बीच दो तथ्यों ने मुझे बेहद विचलित किया है। एक तो मानवाधिकार आयोग का आंकड़ा ही है, जिसके मुताबिक, पिछले नौ साल में बांग्लादेश में कुल 3,679 हिंदुओं को निशाना बनाया गया है, और किसी भी मामले में पीड़ित को न्याय नहीं मिला है। और दूसरा तथ्य यह कि वर्ष 2016 में नासिर नगर में हिंदुओं को निशाना बनाने के मामले में आरोपियों-दीवान अतिकुर रहमान, अबुल हाशिम और अख्तर मियां को अवामी लीग ने चुनाव में टिकट दिया है। अगर यही न्याय है, तब फिर पीड़ितों का तो न्याय पर से भरोसा ही उठ जाएगा। प्रधानमंत्री से मेरा निवेदन है कि नासिर नगर में हिंदुओं के घरों में जिन लोगों ने आग लगाई, सैकड़ों हिंदुओं को जिन्होंने बेघर, बेसहारा कर दिया, न सिर्फ उन्हें दिया गया चुनावी टिकट रद्द कीजिए, बल्कि ऐसे अपराधियों को तत्काल अपनी पार्टी से बाहर भी कीजिए। अगर आप ठान लें, तो ऐसा कर सकती हैं। मुस्लिम कट्टरपंथियों के खिलाफ आपको सख्त कदम इसलिए भी उठाना चाहिए, क्योंकि इस बीच आपने बांग्लादेश को एक विकसित देश बना दिया है। आर्थिक रूप से बांग्लादेश आज बेहद मजबूत है। ऐसे में, कुछ समूह अल्पसंख्यक समुदाय को जिस तरह लगातार निशाना बना रहे हैं, उससे आपकी छवि ही खराब हो रही है। यह सही है कि आज बांग्लादेश में कल-कारखानों की संख्या बढ़ी है, सड़क और पुल आदि भी बेहद उन्नत हैं। लेकिन यह आप भी जानती होंगी कि सिर्फ इन्हीं की वजह से कोई देश उन्नत नहीं हो जाता। वहां अमीर और गरीब के बीच की खाई बनी हुई है। बांग्लादेश की वास्तविक प्रगति तो तब होगी, जब वहां अल्पसंख्यकों की स्थिति बेहतर होगी। मैं बांग्लादेश के अल्पसंख्यक हिंदुओं की सुरक्षा का मुद्दा पिछले कई दशकों से लगातार उठाती आई हूं। दिसंबर, 1992 में वहां हिंदुओं पर हुए भीषण हमले की मैं गवाह थी, उन्हीं हमलों को आधार बनाकर मैंने लज्जा नाम से एक उपन्यास लिखा था। लेकिन तत्कालीन खालिदा जिया सरकार ने मेरे उस उपन्यास पर प्रतिबंध लगा दिया था। मेरी आपसे यह भी प्रार्थना है कि उस किताब पर लगा प्रतिबंध आप हटा दें, क्योंकि मेरा यह दृढ़ विश्वास है कि लज्जा पढ़ने पर वहां के लोगों का अल्पसंख्यक हिंदुओं के प्रति कट्टरवादी और हिंसक रवैया बदलेगा। आपके बाद शायद ही कोई महिला बांग्लादेश में सत्ता के शीर्ष पर पहुंचे। इसलिए भी एक स्त्री होने के कारण आपसे मेरी प्रार्थना है कि अल्पसंख्यकों के खिलाफ इस हिंसा को रोकें।

धर्मनिरपेक्षता के सपने के साथ जिन लोगों ने इकहत्तर में बांग्लादेश में मुक्तियुद्ध को अंजाम दिया था, कुछ गलत लोग लंबे समय से उस धर्मनिरपेक्षता को ध्वस्त करने के एजेंडे में लगे हुए हैं। उस धर्मनिरपेक्षता को फिर से शक्तिशाली और प्रासंगिक बनाने की क्षमता आप ही में है। हम सभी जानते हैं कि हाल के दशकों में वहां एक नई पीढ़ी आकार ले चुकी है, जिसकी असहिष्णुता तथा गैर-मुस्लिमों व नारियों के प्रति विद्वेष की भावना धीरे-धीरे भीषण होती गई है। ये लोग ईर्ष्या, घृणा और विद्वेष के हथियारों के साथ अपने पड़ोसियों पर हमला बोलने के लिए दौड़ रहे हैं। दूसरी भाषा और दूसरी संस्कृति के साथ रह न पाने के कारण ही इकहत्तर में हम अपनी बांग्ला भाषा और संस्कृति के साथ अलग हुए थे। आज अगर बंगाली ही दूसरे बंगाली को निशाना बनाए, तो इकहत्तर के हमारे शत्रु के ही हाथ मजबूत होंगे।

प्रकृति और मानव: बीती त्रासदियों से सबक ही बचाव का एकमात्र उपाय

नरेंद्र भारती

देश में कभी भूकंप, कभी सुनामी, जैसी प्राकृतिक आपदाएं अपना जलवा दिखाती हैं तो कभी बाढ़ का रौद्र रुप जिदंगियां लीलता है। प्रकृति रौद्र रुप दिखाकर तबाही मचा रही है। उतराखंड में प्रकृति मौत का तांडव कर रही है। दर्दनाक मौतें हो रही हैं। ताजा घटनाक्रम में उत्तराखंड में लगातार हो रही बारिश से बादल फटने से और भूस्खलन से 14 मजदूरों समेत 40 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। मजदूर जिंदा दफन हो गए। नदियों का जलस्तर खतरे के निशान पर आ गया है। प्रतिवर्ष लाखों लोग मारे जाते हैं। मानव भी प्रकृति से छेड़छाड़ करने से बाज नहीं आते, लेकिन जब प्रकृति अपना बदला लेती है तब लोगों को होश आता समय पर भीषण त्रासदियां होती रहती हैं, मगर हम आपदाओं से कोई सबक नहीं सीखते। प्रकृति की इस त्रासदी से हर भारतीय गमगीन है। प्रकृति का यह तांडव थमने का नाम नहीं ले रहा है। कारें कागज की कश्तियों की तरह बह गईं। मकान पानी में डूब गए हैं। उतराखंड में प्रकृति ने पहले भी प्रलय की इबारत लिखी थी। चमोली जिला के तपोवन में ग्लेशियर टूटकर ऋषि गंगा नदी में गिरा था और तबाही का मंजर पल भर में लोगों को लील गया था। ऋषि गंगा नदी के किनारे रैणी गांव में ऋषि गंगा पावर प्रोजेक्ट तहस नहस हो गया था और दर्जनों लोगों की जान चली गई थी। 16 लोगों को एनडीआरएफ ने बचा लिया था, लेकिन 204 लोग लापता हो गए थे, जबकि 34 शव बरामद किए गए थे। यह बहुत ही बड़ी त्रासदी थी। पल भर में लोग बह गए और लापता हो गए थे। चमोली में लापता लोगों की तलाश के लिए अब जियोग्राफीकल स्कैनिंग की गई थी। गत 25 जुलाई 2021 को किन्नौर जिला के बटसेरी के गुसां के पास चट्टानें गिरने से पर्यटकों की गाड़ी के भूस्खलन की चपेट में आने के कारण 9 पर्यटकों की दर्दनाक मौत हो गई थी, जबकि तीन गभीर रुप से घायल हो गए थे। बास्पा नदी पर बना पुल भी टूट गया था। साल 2020 में अम्फान चक्रवात ने पश्चिम बंगाल और उड़ीसा में तबाही मचा दी थी। 80 लोग अकाल बेमौत मारे गए थे। लाखों लोग बेघर हो गए थे। पुल क्षतिग्रस्त हो गए थे। इलाके जल्मगन हो गए थे। अक्तूबर 1999 में भी ओडिशा में तूफान ने काफी तबाही मचाई थी। प्रकृति की इस विभीषिका में हजारों लोग अपंग हो गए थे। बच्चे अनाथ हो गए थे, लाशें मलबे में दफन हो गई थीं। 2021 में हिमाचल में प्रकृति ने प्रलय की इबारत थी। किन्नौर से लेकर भरमौर तक प्रकृति ने मौत का तांडव मचाया था। सैकड़ों लोगों की अकाल मौत हो गई थी। प्रकृति ने रौद्र रुप दिखाकर मानव को आगाह कर दिया है कि संभल जा अभी भी समय है।भूस्खलन व बाढ़ से चार लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी और 12 लोग लापता हो गए थे। धर्मशाला के

भगसूनाग में भंयकर तबाही हुई थी। कुपवी में तीन मंजिला मकान जमींदोज हो गया था। कुदरत के इस कहर से हर हिमाचली दहशत में था। प्रकृति ने मानव को समय पर आगाह किया, मगर इंटरनेट की दुनिया के जाल में फंसा मानव खुद को प्रकृति से बड़ा मानने लगा था। उसे यह आभास नहीं था कि प्रकृति सबसे बड़ी गुरु है। प्रकृति ने बहुत कुछ सहा है। प्रकृति एक ऐसी देवी है जो भेदभाव नहीं करती। प्रकृति के बिना मानव प्रगति नहीं कर सकता, प्रत्येक मानव को बराबर धूप व हवा व पानी दे रही है। मानव कृतघ्न बनता जा रहा है। मानव ने स्वार्थो की पूर्ति के लिए प्रकृति को लहूलुहान किया है। आज प्रकृति ने अपना बदला ले लिया है। तबाही की इबारत लिख दी है। मानव का अहम मिटाकर रख दिया है। गलतफहमियों में जी रहे मानव आज प्रकृति के आगे नतमस्तक हो चुके हैं। अतीत में की गए कुकर्मो का पश्चाताप कर रहे हैं। चारों तरफ गंदगी है वातावरण अशुद्ध हो गया है। वातवरण की शुद्धि के लिए प्रकृति मजबूर हो गई और मगरुर हो चुके इंसान का गुरुर तोड़ कर रख दिया है। अनजाने में हुई भूल को माफ किया जा सकता है मगर जानबूझकर की गई गलतियों की सजा प्रकृति ने मानव को दे दी है। मानव को जीवन और मौत की परिभाषा सिखा दी है। यह प्रलय की आहट है। कुदरत ने भटक चुके मानव को पाप और पुण्य का अंतर समझा दिया है। प्रकृति का एक संदेश है भटक चुके व अहंकारी इंसान के लिए जो कुदरत से खिलवाड़ करता था। प्रकृति के प्रकोप से बचना है तो हमें अपनी जीवनशैली बदलनी होगी, छेड़छाड़ बंद करनी होगी। अगर अब भी मानव ने प्रकृति पर अत्याचार बंद नहीं किया तो प्रकृति अपना बदला लेती रहेगी और मानव को सबक सीखाती रहेगी। कुदरत का कहर बरपता रहेगा। यह प्रकृति का एक ट्रेलर ही है, अगर अब भी मानव ने प्रकृति से छेड़छाड़ बंद नहीं की तो प्रकृति पूरी पिक्चर दिखएगी तब होश आएगा वक्त अभी संभलने का है। कहते हैं कि प्राकृतिक आपदाओं को रोक तो नहीं सकते परंतु अपने विवेक व ज्ञान से अपने आप को सुरक्षित कर सकते हैं। गत वर्ष उत्तराखंड में प्रकृति का रौद्र तांडव हुआ था, एक अविस्मरणीय त्रासदी थी। प्रलय में असमय व अकाल ही निर्दोष लोग मारे गए थे। कुछ बच गए थे कुछ लापता हो गए थे। प्रकृति समय-समय पर आगाह करती रहती है मगर फितरती हो चुका मानव खुद को समझकर समझता है मगर प्रकृति ने एक छोटे से झटके से उसको औकात दिखा दी है। सरकार ने मुआवजे की घोषणा कर दी है मगर मुआवजा इसका हल नहीं है। प्रकृति से खेलना बंद करना होगा। यह प्रलय निरंतर होते रहेंगे। हर त्रासदी के बाद बचाव पर चर्चा होती है, मगर कुछ दिनो बाद जब जीवन पटरी पर चलने लग जाता है तो इन बातों को भुला दिया जाता है।

अगर बीती त्रासदियों से सबक सीखा जाए तो आने वाले भविष्य को सुरक्षित कर लिया जा सकता है। मगर हादसों व आपदाओं से न तो लोग सबक सीखते हैं और न ही सरकारें सबक सीखती हैं। कुछ दिन सरकारी अमला औपचारिकता निभाता है और उसके बाद अगली घटना तक कोई कारगर उपाय नहीं किए जाते। सरकारों को इन आपदाओं पर मंथन करना चाहिए तथा शिविर लगाकर महानगरों, शहरों व गांवों के लोगों को जागरूक किया जाए। तभी तबाही से बचा जा सकता है। देश में प्राकृतिक आपदाओं का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। प्रकृति का कहर अनमोल जिंदगियां लील रहा है। देश के हर राज्य में बरसात से त्रासदियां हो रही हैं। इस विनाशकारी प्रकृति के कहर से जनमानस खौफजदा है। सरकार को चाहिए की प्रत्येक गांव से लेकर शहरों तक आपदा प्रबंधन कमेटियां गठित करनी चाहिए, जिसमें डाक्टर नर्स व अन्य प्रशिक्षित स्टाफ रखना चाहिए, ताकि व त्वरित कारवाई करके लोगों केा मौत के मुंह से बचा सके। अक्सर देखा गया है कि जब तक आपदा प्रबंधन की टीमें घटना स्थनों पर पहुंचती हैं तब तक बची हुई सासें उखड़ जाती हैं, लाशों के ढेर लग जाते हैं। अगर समय पर आपदा ग्रस्त लोगों को प्राथमिक सहायता मिल जाए तो हजारों जिंदगियां बचाई जा सकती हैं। प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए सरकार को कालेजों व स्कूलों में भी मॉकड्रिल जैसे आयोजन करने चाहिए, ताकि अचानक होने वाली आपदाओं से अपना व अन्य का बचाव किया जा सके। स्कूलों व कॉलेज में चल रहे राष्ट्रीय सेवा योजना व स्काउट एंड गाइड के स्वयंसेवकों को आपदा से निपटने के लिए पारंगत किया जाए। अगर यही स्वयंसेवी अपने घर व गांवों में लोगों को आपदा से बचने के तरीके बताएं तो काफी हद तक नुकसान को कम किया जा सकता है। सरकार को चाहिए कि आपदा से बचाव के लिए प्रत्येक विभाग के कर्मचारियों को पूर्वाभ्यास करवाया जाए, ताकि समय पर काम आ सके। पुलिस व अग्निशमन के कर्मचारियों को भी समयपर ऐसे आयोजन करते रहना चाहिए। अगर सभी लोग आपदा से बचाव के तरीके समझ जाएंगे तो तबाही कम हो सकती है।

कैप्टन अमरिंदर की पार्टी बनाने की घोषणा से कांग्रेस में खलबली, परेशान पार्टी को बड़े नुकसान की चिंता

चंडीगढ़। पंजाब में कांग्रेस में खलबली है। पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह द्वारा अपनी पार्टी बनाकर कर भाजपा के साथ साथ गठबंधन करने की बात कहने से राज्य में राजनीतिक बवंडर मचना शुरू हो गया है। कांग्रेस को इससे परेशान हो गई है और उसे बड़े सियासी नुकसान की चिंता हो रही है। ऐसे में कांग्रेस के कई नेता व मंत्री मुखर होकर कैप्टन के खिलाफ हमला करने के लिए सामने आए हैं। कांग्रेस को यह भी चिंता सताने लगी है कि कैप्टन की पार्टी से उसे सीधे नुकसान पहुंचेगा। कांग्रेस को सबसे ज्यादा डर इस बात का सता रहा है कि कहीं केंद्र सरकार के साथ मिल कर कैप्टन अमरिंदर तीन कृषि कानूनों का कोई सकारात्क हल न निकाल लें। क्गर ऐसा होता है तो 2022 को लेकर कांग्रेस की मुश्किलों और बढ़ जाएंगी। इसके साथ ही उसे चन्नी सरकार के लिए खतरा नजर आ रहा है। कैप्टन अमरिंदर सिंह ने पंजाब कांग्रेस के साथ-साथ कांग्रेस आलाकमान और सोनिया गांधी पर भी हमला किया था। उन्होंने कांग्रेस के खिलाफ मोर्चा खोलने की बात कहने से कांग्रेस में खलबली मच गई है।

यही कारण है कि पंजाब कांग्रेस के नेताओं के साथ पार्टी के प्रदेश प्रभारी हरीश रावत ने भी कैप्टन अमरिंदर सिंह पर हमला किया है। यही कारण है कि कांग्रेस ने अब राजनीतिक हमलों के साथ व्यक्तिगत हमले भी करने शुरू कर दिए है। राज्य के गृहमंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा ने कहा कि कैप्टन अमरिंदर सिंह एक अवसरवादी नेता हैं। उन्होंने पार्टी की पीठ में छूरा घोंपा है। कांग्रेस ने उन्हें दो बार मुख्यमंत्री और तीन बार प्रदेश प्रधान बनाया। रंधावा ने कहा कि कैप्टन पंजाब को आइएसआइ से खतरा बता रहे हैं। अगर ऐसा है तो चार वर्षों तक वह पाकिस्तानी नागरिक अरुसा आलम को अपने सरकारी आवास में क्यों रखे रहे। कभी कैप्टन को अपने पिता समान बताने वाले रंधावा ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री पंजाब को कमजोर करना चाहते हैं। अगर वह किसान आंदोलन का हल निकालना चाहते हैं तो अभी तक बतौर मुख्यमंत्री उन्होंने ऐसा क्यों नहीं किया। कैप्टन के कांग्रेस द्वारा अपमानित करने का आरोप लगाने के संबंध में रंधावा ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री की सबसे ज्यादा बेइज्जती प्रकाश सिंह बादल ने 1997 में की थी। जब उन्हें टिकट नहीं दिया था। वहीं, कैप्टन अमरिंदर सिंह के खिलाफ हमेशा ही मुखर रहे परगट सिंह ने कहा कि 650 किसानों की मौत के लिए कौन जिम्मेदार है, इसका जवाब कैप्टन को देना होगा। परगट सिंह शुरू से ही कैप्टन पर आरोप लगाते रहे हैं कि वह भाजपा के नेतृत्व के साथ मिले हुए हैं। वहीं, परिवहन मंत्री अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने कहा कि कैप्टन वहीं कर रहे थे जो उन्हें अजीत डोभाल, शिअद अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल और बिक्रम सिंह मजीठिया ने कहा था। पंजाब कांग्रेस के प्रभारी हरीश रावत भी कैप्टन पर हमले करने से नहीं चूके हैं। उन्होंने कहा कि अगर कैप्टन को भाजपा में शामिल होना है, तो उन्हें कांग्रेस को छोड़ देना चाहिए। उन्होंने कहा, हमने (कांग्रेस) कैप्टन के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की है। मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने की घोषणा खुद कैप्टन ने की थी। हम चाहते थे कि वह कांग्रेस विधायक दल की बैठक में आएं और अपना पक्ष रखें। उन्होंने कहा कि पिछले दस महीने से किसान तीन कृषि कानूनों के खिलाफ दिल्ली की सीमाओं पर धरने पर बैठे हैं। इन महीनों के दौरान किसानों की पीड़ा और मौतों के लिए कौन जिम्मेदार है उन्होंने कहा कि किसानों को धरना देने और लखीमपुर खीरी कांड के लिए भाजपा को माफ नहीं किया जा सकता। वहीं, कैप्टन अमरिंदर सिंह द्वारा शिरोमणि अकाली दल से अलग होकर पार्टी बनाने वाले नेताओं के साथ भी गठबंधन करने की बात कहने को लेकर अकाली दल (यूनाइटेड) के संरक्षक रणजीत सिंह ब्रह्मपुरा ने कहा कि किसानों की समस्या का समाधान किया जाए लेकिन कैप्टन अभी भी कांग्रेस के नेता हैं, उन्होंने कांग्रेस से इस्तीफा नहीं दिया है। अगला फैसला कांग्रेस छोड़ने के बाद ही लिया जाएगा।

व्यक्ति पर हमला कर सोने की चेन लूटी, डेहलों बस स्टैंड के पास वारदात

लुधियाना। डेहलों बस स्टैंड के पास पांच लोगों ने व्यक्ति पर हमला कर दिया। मारपीट कर घायल करने के बाद वो उसके गले में पहनी सोने की चेन झपट कर फरार हो गए। अब थाना डेहलों पुलिस ने 5 अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज करके उनकी तलाश शुरू की है। एसआइ मनजीत कौर ने बताया कि उक्त केस गांव धवद्दी निवासी जगदीप सिंह की शिकायत पर दर्ज किया है। अपने बयान में उसने बताया कि वो खेतीबाड़ी और डेयरी फार्म का काम करता है। 17 अक्टूबर की शाम 5.30 बजे वह गांव भुट्टे निवासी गुरमीत सिंह के घर से दूध लेकर आ रहा था। जैसे ही वो बस स्टैंड के बाड़ी चौक के पास पहुंचा। इसी दौरान वहां आए 5 लोगों ने उस पर हमला कर दिया। उसके साथ मारपीट करके पांचों आदमी उसके गले से सोने की

चैन झपट कर फरार हो गए। मनजीत कौर ने कहा कि आरोपितों का सुराग लगाने के लिए इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज चेक की जा रही है। राहों रोड के गुरु विहार इलाके में बेकाबू हुए तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से दो ट्रांसफार्मर और उनके खंबे टूट कर गिर गए। जिससे इलाके की बिजली तो प्रभावित हुई ही, पावरकाम का लाखों रुपये का नुकसान भी हो गया। अब थाना बस्ती जोधेवाल पुलिस ने ट्रक नंबर पीबी10एचजे 8373 के अज्ञात चालक पर केस दर्ज करके उसकी तलाश शुरू की है।

हवलदार दविंदर सिंह ने बताया कि उक्त केस पीएसपीसीएल मंडल खास यूनिट 2 सुंदर नगर के सहायक कार्यकारी इंजीनियर की शिकायत पर दर्ज किया गया। अपने बयान में उन्होंने बताया कि 21 सितंबर की रात आरोपित ने राहों रोड के गुरु विहार इलाके में 200 किलोवाट के ट्रांसफार्मर को टक्कर मार दी। जिससे उसकी बाडी टूट कर गिर गइ और सारा तेल गिर गया। हादसे में पीएसपीसीएल का करीब ढाई लाख रुपये का नुकसान हो गया है। दविंदर सिंह ने कहा कि ट्रक नंबर के आधार पर उसके मालिक का पता लगाया जा रहा है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री हरसिमरत कौर बादल ने अरविंद केजरीवाल को बताया बरसाती मेंढक, कहा- पंजाब के लोगों को बरगला रहे

लुधियाना। पंजाब विधानसभा चुनाव के नजदीक आते ही शिअद नेत्री व पूर्व केंद्रीय मंत्री हरसिमरत कौर बादल ने राजनीतिक सक्रियता बढ़ा दी है। गत दिवस हरसिमरत कौर जालंधर में थीं। आज वह लुधियाना के दौरे पर आईं। इस दौरान हरसिमरत कौर ने आप प्रमुख एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर जमकर निशाना साधा। हरसिमरत कौर बादल ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को बरसाती मेंढक करार दिया। लुधियाना स्थित गुरुद्वारा फेरूमान में शिअद महिला विंग की ओर से आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए हरसिमरत कौर बादल ने कहा कि पिछले विधानसभा चुनाव में हारने के बाद अरविंद केजरीवाल गायब हो गए। अब चार साल बाद उन्हें चुनाव के समय पंजाब की याद आई और बरसाती मेंढक की तरह टपक गए। अब लोगों को झूठी गारंटी दे रहे हैं। पंजाब के लोगों को झूठे प्रलोभन के जरिए दिगभ्रमित कर रहे हैं, लेकिन पंजाबी उनकी चालों में आने वाले नहीं। उन्होंने महिलाओं से कहा कि ऐसे मेंढकों से सावधान रहें और उनकी बातों में न आएं। हरसिमरत ने कहा कि केजरीवाल दिल्ली माडल लाने की बात करते हैं, लेकिन दिल्ली की हालत खराब है। वहां की जनता जानती है कि उन्होंने क्या किया। मोहल्ला क्लीनिक की बात करते हैं, जबकि दिल्ली में सेहत के मामले में इतने एक्टिव थे तो कोरोना काल में वहां लाशों के ढेर क्यों लगे। हरसिमरत कौर बादल ने मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी और पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह को भी आड़े हाथों लिया।

100 करोड़ टीकाकरण पर WHO प्रमुख ने की पीएम मोदी, वैज्ञानिकों-स्वास्थ्य कर्मियों और भारत की जनता की तारीफ

जेनेवा। (वेब वार्ता) कोरोना महामारी के खिलाफ जंग में भारत ने आज बड़ा कीर्तिमान स्थापित कर दिया है। भारत में कोरोना टीकाकरण का आंकड़ा आज 100 करोड़ के पार हो गया। 100 करोड़ टीकाकरण का आंकड़ा छूकर भारत ऐसा कारनामा करने वाला दुनिया का दूसरा देश बन गया है। इस खास मौके पर भारत को विश्व स्वास्थ्य संगठन ने बधाई दी है। 100 करोड़ टीकाकरण पूरा होने पर विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक टेड्रोस ए घेब्रेयसस ने भारत को बधाई दी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक टेड्रोस ए घेब्रेयसस ने भारत की तारीफ में एक ट्वीट कर लिखा- बधाई हो, पीएम नरेंद्र मोदी, वैज्ञानिकों, स्वास्थ्यकर्मियों और भारत के लोगों को COVID19 से कमजोर आबादी की रक्षा करने और वैक्सीन इक्विटी लक्ष्यों को प्राप्त करने के आपके प्रयासों के लिए। WHO की दक्षिण-पूर्व एशिया की क्षेत्रीय निदेशक डॉ पूनम खेत्रपाल सिंह ने भारत को बधाई देते हुए कहा कि भारत को एक और मील का पत्थर साबित करने के लिए बधाई एक अरब वैक्सीन डोज लगाई गई है। उन्होंने भारत की तारीफ करते हुए आगे कहा कि कम समय में असाधारण उपलब्धि मजबूत राजनीतिक नेतृत्व, अंतर-क्षेत्रीय अभिसरण, संपूर्ण स्वास्थ्य और फ्रंटलाइन कार्यबल के समर्पित प्रयासों के बिना संभव नहीं थी। उन्होंने कहा कि भारत की प्रगति को देश की सराहनीय प्रतिबद्धता के संदर्भ में देखा जाना चाहिए और यह सुनिश्चित करने के प्रयास किए जाने चाहिए कि ये जीवन रक्षक टीके विश्व स्तर पर उपलब्ध हों। देश में 75 फीसद को लगी वैक्सीन की पहली डोज सभी वयस्कों में से 75 फीसद को वैक्सीन की पहली डोज लगाई जा चुकी है। वहीं 31 फीसदी वयस्क आबादी ने अपनी दूसरी डोज भी ले ली है। अब तक केवल चीन ही इकलौता देश है, जिसने 100 करोड़ से ज्यादा वैक्सीन की डोज लगाई हैं. राष्ट्रव्यापी टीकाकरण कार्यक्रम के शुभारंभ के बाद से, भारत ने वैक्सीन कवरेज में लगातार वृद्धि देखी है एक दिन के आंकड़े पहली बार अगस्त के महीने में 1 करोड़ तक पहुंच गए। पीएम मोदी के जन्मदिन पर एक दिन में वैक्सीनेशन का आंकड़ा 2.5 करोड़ को भी पार कर गया। जश्न की भी योजना भारत में टीकाकरण के तहत 100 करोड़ खुराक दिए जाने का जश्न मनाने के लिए कई कार्यक्रमों की योजना बनाई गई है। देश में 100 करोड़ खुराक दिए जाने के अवसर पर मंडाविया लाल किले से गायक कैलाश खेर का गीत और ऑडियो-विजुअल फिल्म जारी करेंगे। मांडविया ने ट्वीट किया कि देश वैक्सीन शतक बनाने के करीब है। इस स्वर्णिम अवसर के सहभागी बनने के लिए देशवासियों से मेरी अपील है कि जिनका टीकाकरण बाकी है वो तत्काल टीका लगवाकर, भारत की इस ऐतिहासिक स्वर्णिम टीकाकरण यात्रा में अपना योगदान दें।

ऐलनाबाद की जंग में बाहुबल की आशंका, सतर्क हुई खुफिया एजेंसी, ताकत आजमाइश की तैयारी

चंडीगढ़। (वेब वार्ता) हरियाणा विधानसभा की ऐलनाबाद सीट पर हो रहे उपचुनाव में प्रतिष्ठा कीजंग है। कांग्रेस और भाजपा अब तक चौटाला परिवार व इनेलो के रहे इस गढ़ में सेंध लगाने की कोशिशों में जुटी हैं। ऐसे में उपचुनाव में बाहुबल के इस्तेमाल की भी आशंका है। इस सीट से चुनाव लड़ रहे इनेलो के अभय चौटाला, कांग्रेस के पवन बैनीवाल और भाजपा के गोबिंद कांडा तीनों ताकतवर उम्मीदवार हैं। इसके मद्देनजर 30 अक्टूबर को होने वाले मतदान के लिए सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। राज्य पुलिस को आशंका है कि इस चुनाव के दौरान हिंसा हो सकती है। लिहाजा किसी भी विपरीत स्थिति से निपटने के लिए न केवल सिरसा बल्कि आसपास के जिलों की पुलिस को चौकस रहने के लिए कहा गया है। प्रदेश की खुफिया एजेंसी ने पूरी रिपोर्ट गृह सचिव व डीजीपी तक पहुंचा दी है। इस रिपोर्ट पर पुलिस के आला अधिकारी मंथन कर रहे हैं। अभय चौटाला, गोबिंद कांडा और पवन बैनीवाल तीनों ही हर लिहाज से ताकतवर ऐलनाबाद में इनेलो प्रत्याशी के रूप में अभय सिंह चौटाला चुनाव लड़ रहे हैं। उनके हक में इनेलो प्रमुख और राज्य के पांच बार मुख्यमंत्री रह चुके ओमप्रकाश चौटाला बसनुमा रथ पर सवार होकर प्रचार कर रहे हैं। अभय सिंह चौटाला को भी गांवों में व्यापक समर्थन मिल रहा है। अभय सिंह के समर्थन में बुधवार को उनके पुरानी साथी पूर्व सीपीएस रामपाल माजरा भी चुनाव प्रचार करने उतर गए । पूर्व सीपीएस श्याम सिंह राणा, पूर्व विधायक नरेश शर्मा बादली और पूर्व विधायक नफे सिंह राठी समेत करीब एक दर्जन पूर्व मंत्री और पूर्व विधायक ऐलनाबाद की जंग में अभय चौटाला का साथ दे रहे हैं। सिरसा समेत आसपास के जिलों की पुलिस व अर्धसैनिक बलों को किया गया चौकस अभय के सामने भाजपा-जजपा-हलपो गठबंधन के मजबूत प्रत्याशी के रूप में गोबिंद कांडा ताल ठोंक रहे हैं। गोबिंद कांडा पूर्व गृह राज्य मंत्री एवं सिरसा के विधायक गोपाल कांडा के छोटे भाई हैं। गोपाल कांडा प्रदेश की राजनीति में अपना अच्छा खासा वजूद रखते हैं। हुड्डा सरकार में गोपाल कांडा काफी पावरफुल मंत्री हुआ करते थे। उन्होंने भाजपा सरकार को भी समर्थन देने का ऐलान किया था, लेकिन उस समय जजपा का सहयोग लेने वाली भाजपा ने यह कहते हुए समर्थन लेने से मना कर दिया था कि उन्हें निर्दलीय विधायकों का समर्थन हासिल है। जननायक जनता पार्टी के डा. अजय सिंह चौटाला, उनके बेटे दुष्यंत चौटाला व दिग्विजय चौटाला भी अभय चौटाला को शिकस्त देने व गोबिंद कांडा की जींत के लिए पूरा जोर लगा रहे हैं। चुनाव प्रचार के दौरान राजनीतिक दलों के नेता कर रहे खूब जोर आजमाइश भाजपा के अधिकतर नेता जो आंदोलनकारियों की वजह से खुलकर मैदान में नहीं आ रहे थे, अब वह पूरी तरह से फील्ड में उतर गए हैं। आंदोलनकारियों के कथित विरोध को दरकिनार कर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़, सुभाष बराला, कृष्णलाल पंवार, राजीव जैन और सुनीता दुग्गल सरीखे नेता गोबिंद कांडा के समर्थन में प्रचार में जुटे हैं। मुख्यमंत्री मनोहर लाल भी जल्द ही ऐलनाबाद का दौरा कर सकते हैं। कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में ताकतवर पवन बैनीवाल तीसरे उम्मीदवार हैं, जिन्हें अभय चौटाला व गोबिंद कांडा से चुनौती मिल रही है। उनके समर्थन में कुमारी सैलजा व विवेक बंसल लगातार प्रचार कर रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा भी पवन बैनीवाल के लिए प्रचार करने निकले हैं। कांग्रेस के टिकट के प्रबल दावेदार रहे भरत बैनीवाल का पवन बैनीवाल को समर्थन मिल पाता है या नहीं, इस पर सबकी निगाह टिकी हुई है। भरत बैनीवाल हालांकि अपने भतीजे पवन बैनीवाल के समर्थन में प्रचार कर रहे हैं, लेकिन कहा जाता है कि उनका दिल कहीं दूसरी तरफ टिका हुआ है। कुल मिलाकर प्रदेश की खुफिया एजेंसियों के पास ऐसा फीडबैक है कि इस चुनाव में अभय सिंह चौटाला, गोबिंद कांडा व पवन बैनीवाल के समर्थकों के बीच किसी भी समय मनमुटाव हो सकता है। लिहाजा पुलिस व सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क रहने के लिए कहा गया है।

पीएम नरेन्द्र मोदी ने बाढ़सा एम्स में विश्राम सदन का किया उद्घाटन, मनोहर सरकार के काम को सराहा, कहा- हरियाणा से काफी कुछ सीखा

बादली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने झज्जर जिला के बाढ़सा क्षेत्र स्थित राष्ट्रीय कैंसर संस्थान परिसर में नवनिर्मित इंफोसिस फाउंडेशन विश्राम सदन का रिमोट से बटन दबाकर उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वीडियो कांफ्रेंसिंग से झज्जर जिला के बाढ़सा एनआइसी स्थित विश्राम सदन देश को समर्पित किया। बाढ़सा एनसीआई परिसर में उद्घाटन समारोह में हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल, हरियाणा के स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज, केंद्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री भारती प्रवीण पवार, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़ व रोहतक लोकसभा क्षेत्र से सांसद डॉ. अरविंद शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति रही। उद्घाटन समारोह में एम्स के निदेशक डॉ. रणदीप गुलेरिया भी मौजूद रहे। वहीं एम्स में कार्यक्रम शुरू हो गया। इंफोसिस की चेयरपर्सन सुधा मूर्ति, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री वर्चुअली जुड़ी। पीएम ने कहा कि सरकार ने 400 कैंसर की दवाओं के दाम घटाए हैं। सेवा केंद्रों पर सस्ते दाम पर दवा मिल रही है। पीएम ने हरियाणा में मनोहर लाल सरकार के नेतृत्व में हो रहे कार्यों की सराहना की। कहा कि हरियाणा से काफी कुछ सीखा है। अनेक दशक के बाद हरियाणा को मनोहर लाल के रूप में शुद्ध रूप से ईमानदारी से काम करने वाली सरकार मिली है। हरियाणा के कई प्रयोगों को केंद्र ने भी फालो किए हैं। मैं लंबे वक्त तक मनोहरलाल जी के साथ रहा हूं लेकिन मुख्यमंत्री बनने के बाद इनकी प्रतिभा और भी निखर कर आई है। वहीं बाढ़सा स्थित एम्स के विश्राम सदन के उद्घाटन समारोह पहुंचने वाले नेताओं का संयुक्त किसान मोर्चा के स्तर पर विरोध शुरू कर दिया। ढांसा बार्डर से

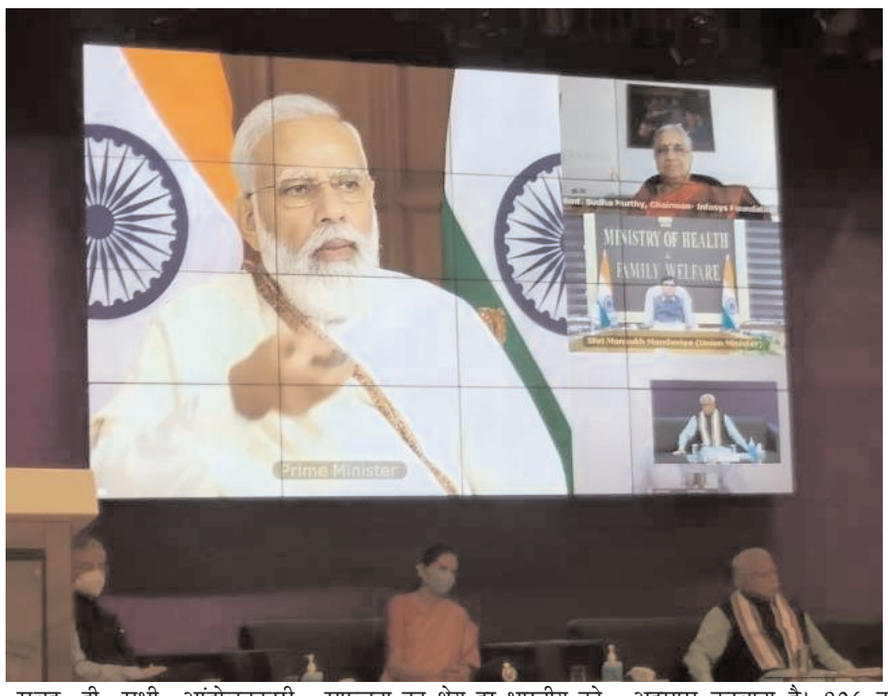

सुबह ही सभी आंदोलनकारी एकत्रित होकर आगे निकल गए। मगर उन्हें बादली चौक पर ही रोक लिया गया। बादली एएसपी अमित यशवर्धन किसानों को समझाने का प्रयास करते रहे। आंदोलनकारियों और पुलिस के बीच तनाव बना हुआ है। आंदोलनकारियों ने कहा कि वे कृषि कानून से जुड़ी मांगों को लेकर वे अडिग है। विरोध को लेकर तय किए गए प्रारुप के अंतर्गत वे किसी भी सूरत में पीछे नहीं हटेंगे। बादली चौक पर आंदोलनकारियों को समझाते हुए एएसपी अमित यशवर्धन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि 100 करोड़ का सुरक्षा कवच भारत के पास है। कोरोना वैक्सीनेशन के लिए सभी स्वास्थ्य कर्मियों का आभार व्यक्त करता हूं। आज का दिन ऐतिहासिक है। इस दिन की सफलता का श्रेय हर भारतीय को जाता है। 10 मंजिला विश्राम सदन सभी के प्रयास से बना है। हरियाणा सहित आसपास के लोगों को बड़ी मदद मिलेगी। इसे बनाने में सरकार और कारपोरेट जगत की संयुक्त ताकत लगी है। एम्स प्रबंधन और सुधा मूर्ति का आभार व्यक्त करता हूं। सुधा मूर्ति नर सेवा को नारायण सेवा मानती हैं। आयुष्मान भारत इसका एक बेहतरीन उदाहरण है। जिसमें सरकारी और निजी अस्पतालों में इलाज हो रहा है। आज देश के हर जिले में मेडिकल कालेज बनाने में जोर दे रहे हैं। इसमें निजी सेक्टर का काफी योगदान है। दान करने से धन नहीं घटता बल्कि बढ़ता है। जितना दान करोगे, सेवा करोगे, हमारी प्रगति उतनी ही व्यापाक होती जाएगी। ये विश्राम सदन, विश्वास सदन का अहसास करवाता है। 806 कक्ष का यह सदन है। देश की सरकार प्रयास कर रही है कि जहां भी एम्स बने, वहां नाइट शेल्टर जरूर बनवाए जाएं। यह भी सीधी सेवा है। सेवा केंद्रों पर सस्ते दामों में दवा मिलने से जरुरत मंदों को काफी मदद मिल रही है। सेवा परमो धर्म की तर्ज पर इंफोसिस कार्य कर रहा है। हरियाणा के लिए कुछ कहना चाहता हूं, हरियाणा से काफी कुछ सीखा है। मनोहर लाल के नेतृत्व में प्रदेश की सेवा हुई है, उनको और उनकी टीम को बधाई। बाढ़सा एम्स में कार्यक्रम के दौरान मंच पर मौजूद सीएम मनोहर लाल बता दें कि एम्स में बीजेपी नेता पहुंचे हैं और आंदोलनकारियों ने हरेक कार्यक्रम का विरोध करने की बात कही हुई है। हालांकि सरकार का कहना है कि जब किसी योजना संबंधी कार्य होता है तो आंदोलनकारियों का विरोध करना गलत है, क्योंकि योजनाओं का लाभ तो आम जनता को ही मिलना होता है, मगर आंदोलनकारी हर कार्यक्रम का विरोध कर रहे हैं। सीएम मनोहर लाल ने कहा कि एनसीआई बहुत जल्द एयरपोर्ट से जुड़ने वाला है, ऐसी योजना बनाई जा रही है। कोरोना के दिनों में भी इस संस्थान ने लोगों को सेवाएं दी हैं। हरियाणा में ढाई करोड़ लोगों को वैक्सीन लग चुकी है, जल्द ही यह सौ फीसद तक पहुंचेगा। मरीजों के तिमारदारों को मिलेगी कैंपस में ही बढ़िया सुविधा नवंबर 2019 में तत्कालीन केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डा. हर्षवर्धन ने बाढ़सा स्थित राष्ट्रीय कैंसर संस्थान में 806 बिस्तरों के इन्फोसिस विश्राम सदन का भूमि पूजन किया था। पूजन के बाद उन्होंने कहा था कि विश्राम सदन दो वर्षों में तैयार हो जाएगा। इन्हीं दो वर्षों में कोविड का दौर भी आया। पहली लहर और दूसरी लहर के दौरान एनसीआई में कोविड के मरीजों का उपचार हुआ। बहरहाल, एनसीआई में कैंसर के मरीजों को व्यवस्था के तहत सेवाएं दी जा रही हैं।

इधर, तय किए गए समय से करीब एक माह पहले ही यह विश्राम सदन तैयार हो गया है। कैंपस में ही बढ़ी सुविधाएं, बड़ी संख्या में मरीजों को होगा फायदा दरअसल, कैंसर पीड़ितों को कीमोथेरेपी व आपरेशन के बाद लंबे समय तक रहकर विभिन्न प्रकार की जांचों से गुजरना पड़ता है। इसका शुभारंभ हो जाने के बाद मरीजों व तीमारदारों को ठहरने में कोई परेशानी नहीं होगी। क्योंकि, राष्ट्रीय कैंसर संस्थान बाढ़सा में केवल हरियाणा से ही नहीं अपितु देशभर से कैंसर पीड़ित इलाज कराने के लिए आते हैं। अब सदन में उन्हें रहने के लिए अच्छी जगह मिल सकेगी। इससे वह मरीजों के देखभाल के लिए अच्छा कार्य कर सकेंगे। बता दें कि यहां जमीन इत्यादि की व्यवस्था सरकार ने की है तथा विश्राम सदन का निर्माण इन्फोसिस द्वारा किया गया है। विश्राम सदन को अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ तैयार किया गया है। जिसमें हर फ्लोर पर बेहतरीन माहौल के साथ तिमारदारों के ठहरने की व्यवस्था रहेगी।बॉक्स = बाढ़सा स्थित एम्स टू परिसर में 60 एकड़ में 2000 बेड की क्षमता के साथ बने नेशनल कैंसर इंस्टीट्यूट में ब्रेन कैंसर को छोड़कर सभी तरह के कैंसर रोगियों का इलाज व आप्रेशन हो रहा है। कोविड-19 कार्यकाल में भी एनसीआई में कैंसर रोगियों के लिए ओपीडी खुली हुई थी, लेकिन, यहां पर तैनात चिकित्सकों की ज्यादातर ड्यूटी कोविड-19 मरीजों की देखभाल में लगी होने के कारण मरीजों की संख्या कम हो गई थी। हालांकि कैंसर इमरजेंसी में पूरी तरीके से फोकस रखा जा रहा था। एनसीआई प्रबंधन ने अपने कैंपस में ही 13 हजार किलो लीटर की क्षमता का आक्सीजन प्लांट स्थापित कर दिया है। नेशनल कैंसर इंस्टिट्यूट में फिलहाल 9 फुली इंटीग्रेटेड माडलर आपरेशन थिएटर, 1 एमआरआई स्केनर मशीन, 2 पीटी स्केनर मशीन, 1 ब्रेकिंग थेरेपी मशीन, 2 लाइनर एस्केलेटर मशीन, 14 पीएल लैब, 60 इंटेंसिव केयर बेड, 20 न्यूक्लियर मेडिसिन बेड की सुविधा मौजूद है। साथ ही एशिया की पहली आटोमेटिक कोर लैब भी यहां संचालित है जहां एक बार में 60 हजार ब्लड सैंपल की जांच की जा सकती हैं।

निगम में भाजपा की छवि को कालिक पोत रहे है भ्रष्ट अभियंता

करोल बाग जोन, भवन विभाग बना भ्रष्टाचार का अड्डा!

ए.ई संजीव दारा, ए.ई वाई.पी.सिंह, राजेश शर्मा, सुरेन्द्र सिंह डबास, जे.ई दीपक मेहतो, एन.एस.मीना, पुरूषोत्तम मीना, शुभम जैन, संजीत सोलंकी, विकास कुमार, मुकेश गौड, मनीष दुबे बने अंबानी, निदेशक, सीबीआई कब करेंगे अंबानियों की जांच

(कार्यालय संवाददाता)

नई दिल्ली। करोल बाग जोन, अपराध एवं भ्रष्टाचार निरोधक मोर्चा के अध्यक्ष ने कार्यालय संवाददाता को बताया कि सुप्रीम कोर्ट की मॉनीटिंग कमेटी और चेयरमैन एसटीएफ के आदेशों की अनदेखी कर उत्तरी-दिल्ली नगर निगम के करोल बाग जोन, भवन विभाग भ्रष्टाचार का अड्डा बन गया है। करोल बाग जोन के अन्तर्गत आने वाले सभी वार्डो में बेलदार और कनिष्ठ अभियंताओं ने प्रति लेंटर अनुसार रेट कार्ड तैयार कर रखा है, जैसे 26 मीटर एक लाख रूपये प्रतिलेंटर, 50 मीटर सवा दो लाख रूपये प्रतिलेंटर 100 मीटर 5 लाख रूपये प्रतिलेटर और अवैध रूप से बनाया गया और बनाया जा रहा तहखाना रेट प्रत्येक लेंटर से डबल हो जाते है और निर्माण की हाईट के अतिरिक्त रकम (काली कमाई) देनी पढ़ती है। 100 मीटर से अधिक में आपर्टमेन्ट बनाना हो तो तीन गुना रकम प्रत्येक लेंटर की दी जाती है। इस अवैध निर्माण के काले कारोबार में क्षेत्रीयें नेता, बेलदार, कनिष्ठ, सहायक, अधिशासी व अधीक्षण अभियंता तक की मिलीभगत होती है। अवैध निर्माण की काली कमाई से बने अंबानियों द्वारा करवायें जा रहे अवैध निर्माण की शिकायत रद्दी की टौकरीयों में डाल दी जाती है। अवैधनिर्माण बदस्तुर युद स्तर पर जारी रहता है। अधिशासी अभियंता, सहायक अभियंता संजीव दारा, वाई.पी.सिंह, राजेश शर्मा, सुरेन्द्र सिंह डबास, कनिष्ठ अभियंता दीपक मेहतो, एन.एस. मीना, पुरूषोत्तम मीना, शुभम जैन, संजीत सोलंकी, विकास कुमार, मुकेश गौड, मनीष दुबे बने अंबानी, निदेशक, सीबीआई कब करेंगे अंबानियों की जांच अपने प्राईवेट और एमसीडी के कर्मचारियों को बेलदार बनाकर गली-गली और सड़कों पर किये जा रहे अवैध निर्माणों की रेकी

करते है और बिल्डर माफिया और सम्पत्ति धारक से मिलीभगत कर अवैध निर्माण से प्रत्येक लेंटर, बेसमेंट, प्लाट में ग्रुप हाउसिंग सोसाईटी और डी.डी.ए नुमा पलैट बनाते है। करोल बाग जोन के वार्ड-103, 102, 100, 99, 98, 97, 96, 95, 94, 93, 92 में किये जा रहे अवैध निर्माणों से 100 करोड़ रूपयें माह की अवैध वसूली अधिशासी अभियंता, सहायक अभियंता संजीव दारा, वाई.पी.सिंह, राजेश शर्मा, सुरेन्द्र सिंह डबास, कनिष्ठ अभियंता दीपक मेहतो, एन.एस.मीना, पुरूषोत्तम मीना, शुभम जैन, संजीत सोलंकी, विकास कुमार, मुकेश गौड, मनीष दुबे और बिल्डर माफियों का गठजोड़ ऐसा है कि जैसे दामन चौली का बिल्डर माफिया डीएमसी एक्ट, अग्निशमन नियमों और सरकारी फुटपाथ, गलीयों, सड़कों पर बगैर नक्शे के अवैध निर्माण कर पूरे वार्डो को स्लम युद्र एरिया बना रहे है और अवैध निर्माण में चार-चार फुट के छज्जे, बेसमेंट, पांच-पांच मंजिला तान देते है। बिल्डर माफिया अभियंताओं को 5 लाख रूपयें लेंटर रिश्वत खोरी का देते है और अभियंताओं का भी पूर्ण आर्शिवाद इन बिल्डर माफिया पर बना रहता है।

सूत्रों अनुसार बताया जाता है कि इस 100 करोड़ो रूपयें माह की काली कमाई का प्रतिशत अनुसार हिस्सा उपायुक्त और अधीक्षण अभियंता को दिया जाता है। 100 करोड़ की काली कमाई का बंदर बांट करने में ससूर जमाई के रिश्तेदार अधिशासी अभियंता, कनिष्ठ अभियंता और बेलदार की मिलीभगत से पूरी इमानदारी से प्रतिशत अनुसार किया जाता है, फिर चाहे सतर्कता अधिकारी हो, स्थानीय एसडीएम हो सब को खुश किया जाता है। समाजसेवी संस्था अपराध एवं भ्रष्टाचार निरोधक मोर्चा ने अवैध निर्माण से बने अभियंता अंबानी की चल-अचल सम्पत्ति, हर माह काली कमाई की निदेशक, सीबीआई, भारत सरकार से जांच करने की मांग की। शेष अगले अंक में पढ़े वार्डो में कहां-कहां अवैध निर्माण किया जा रहा है।

रिपब्लिकन मजदूर संगठन के सदस्य बनें
दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष
मो. 08750202102
E-mail :
rmsdp@hotmail.com
अनागरिक गीता भारती भवन
बी-2/370, सुल्तानपुरी
दिल्ली-86

निगम में भाजपा की छवि को कालिक पोत रहे है भ्रष्ट अभियंता

करोल बाग जोन, भवन विभाग बना भ्रष्टाचार का अड्डा!

अवैध निर्माण की काली कमाई से अभियंता से उपायुक्त तक बने "अडानी"

उ.दि.न.नि के मुख्य सतर्कता अधिकारी मंगेश कश्यप बने मूक दर्शक कब तक चलता रहेगा भ्रष्टाचार का खेल

करोल बाग, नई दिल्ली

करोल बाग, नई दिल्ली

करोल बाग, नई दिल्ली

करोल बाग, नई दिल्ली

करोल बाग, नई दिल्ली

करोल बाग, नई दिल्ली

करोल बाग जोन में बिल्डर माफिया का राज सारे वार्ड बनते जा रहे है स्लम युक्त हर वार्ड में चार से पांच मंजिला, बेसमेन्ट सहित अवैध निर्माण धड़ल्ले से किया जा रहा है। अभियंताओं की काली कमाई चल-अचल व बेनामी सम्पत्ति की श्रीमान निदेशक जी, सीबीआई, भारत सरकार से जांच की मांग।

अध्यक्ष: अपराध एवं भ्रष्टाचार निरोधक मोर्चा

विज्ञापन-जनहित में जारी.....

एक नजर

सलमान खान स्टारर अंतिम का ट्रेलर अगले हफ्ते होगा रिलीज

एक्टर सलमान खान स्टारर अंतिम द फाइनल ट्रुथ 26 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। अब खबर सामने आ रही है कि मेकर्स इस एक्शन ड्रामा फिल्म का ट्रेलर अगले हफ्ते रिलीज करेंगे। अंतिम में सलमान के अलावा आयुष शर्मा भी लीड रोल में हैं। फिल्म में सलमान पुलिस वाले और आयुष गैंगस्टर के किरदार में नजर आने वाले हैं। अंतिम मराठी फिल्म मुलशी पैटर्न की हिन्दी रीमेक है। इसे देशभर में पांच भाषाओं हिन्दी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और उड़िया में रिलीज किया जाएगा। फिल्म का प्रोडक्शन सलमान खान फिल्म्स ने किया है। जबकि डायरेक्शन महेश मांजरेकर ने किया है। सलमान आखिरी बार फिल्म राधे ~ योर मोस्ट वांटेड भाई में दिखाई दिए थे, जो कि फ्लॉप साबित हुई थी। राधे और अंतिम के अलावा सलमान 2021 में पठान और लाल सिंह चड्ढा में कैमियो रोल में दिखाई देंगे।

अभिषेक बचन स्टारर ब्रीद के तीसरे पार्ट की शूटिंग हुई शुरू

ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर पिछले साल आई ब्रीद~ इनटू द शैडोज के बाद अब ब्रीद के तीसरे पार्ट की अनाउंसमेंट बुधवार को कर दी गई है। पिछले पार्ट से अभिषेक बचन ही इस बार भी मेन लीड हैं। ब्रीद 3 शूटिंग भी बुधवार से शुरू हो गई है। इस मौके पर प्राइम वीडियो इंडिया की प्रमुख अपर्णा पुरोहित ने कहा, पिछले पार्ट को लोगों का बेहतर प्यार मिला था। इस फ्रेंचाइजी ने कई अवॉर्ड भी जीते हैं। हमारा जो संकल्प है कि हम ऐसी कहानियां कहते रहेंगे, जो देश की सीमाओं को पार कर दुनियाभर के दर्शकों तक पहुंच सके, वह इस फ्रेंचाइजी से पूरा होता है। वहीं प्रोड्यूसर विक्रम मल्होत्रा ने कहा, मयंक शर्मा ही इसका डायरेक्शन कर रहें हैं। नए किरदार यहां इट्रोड्यूस हुए हैं। नए सीजन को लेकर हम बहुत एक्साइटेड हैं।

अक्षय की सूर्यवंशी को 3000 स्क्रीन्स पर किया जाएगा रिलीज

एक्टर अक्षय कुमार की अपकमिंग फिल्म सूर्यवंशी दिवाली के एक दिन बाद 5 नवंबर को रिलीज होने वाली है। अब खबर आ रही है कि इस फिल्म को देश में करीब 3000 स्क्रीन्स पर रिलीज किया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक, मेकर्स सूर्यवंशी को रिकॉर्ड संख्या में स्क्रीन पर रिलीज करेंगे। यह हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के लिए करो या मरो की स्थिति होगी। मेकर्स सूर्यवंशी की रिलीज के लिए कम से कम 2,600-2,800 स्क्रीन आरक्षित करने की योजना बना रहे हैं। बता दें कि रोहित शेट्टी के निर्देशन में बनी इस फिल्म को हाल ही में CBFC ने U/A सर्टिफिकेट भी दे दिया है। मूवी को बिना किसी कट के CBFC ने अप्रूव किया है। फिल्म 2 घंटे 25 मिनट की है। इस फिल्म में अक्षय के अलावा कटरीना कैफ भी लीड रोल में हैं। अजय देवगन और रणवीर सिंह फिल्म में गेस्ट अपीरियंस में नजर आएंगे। इस फिल्म को करन जौहर ने प्रोड्यूस किया है।

जॉन अब्राहम ने बतौर प्रोड्यूसर मलयाली फिल्मों में भी रखा कदम, माइक की शूटिंग शुरू

जॉन अब्राहम दिसंबर से मलयाली फिल्म की हिंदी रीमेक तो करने वाले ही हैं, साथ ही वे मलयाली फिल्म इंडस्ट्री में कदम भी रख चुके हैं। वो वहां मलयाली फिल्म माइक को प्रोड्यूस कर रहे हैं। यह फिल्म मलयाली सितारों से सजी है। इस फिल्म से एक्टर रंजीत सजीव का डेब्यू हो रहा है। उनके अलावा इस फिल्म में अंस्वरा राजन, जीनू जोसेफ, अक्षय राधाकृष्णन, अबहिरम और सिनी अब्राहम भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। इस फिल्म को आशिक अकबर अली ने लिखा है। इसकी शूटिंग बुधवार (20 अक्टूबर) से शुरू हो गई है। यह फिल्म केरल के लोकेशनों पर ही शूट होगी।

राजकुमार राव ने हिट के हिंदी रीमेक के दूसरे शेड्यूल की शूटिंग मुंबई में की शुरू

बॉलीवुड एक्टर राजकुमार राव ने पॉपुलर तेलुगु फिल्म हिट के हिंदी रीमेक के दूसरे शेड्यूल की शूटिंग मुंबई में शुरू कर दी। एक सूत्र ने बताया, टीम ने अपने मुंबई शेड्यूल के लिए काम करना शुरू कर दिया है और राजकुमार राव ने 20 अक्टूबर से इस फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। सूत्र ने आगे खुलासा किया कि टीम का लक्ष्य नवंबर के पहले सप्ताह में मुंबई शेड्यूल को खत्म करना है। दिवाली के ब्रेक के बाद टीम तीसरे शेड्यूल की शूटिंग मनाली में करेगी। शैलेश कोलानु के निर्देशन में बन रही इस कॉप ड्रामा फिल्म में राजकुमार के अलावा सान्या मल्होत्रा भी लीड रोल में हैं। दिल राजू प्रोडक्शंस और भूषण कुमार ने इस फिल्म को प्रोड्यूस किया है।

थैंक गॉड में योहानी के मनिके मगे हिते गाने के हिंदी वर्जन में नोरा-सिद्धार्थ आएंगे नजर

श्रीलंका की सिंगर योहानी इन दिनों अपने बॉलीवुड डेब्यू को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। हाल ही में खबर सामने आई थी कि मनिके मगे हिते सॉन्ग से पॉपुलर हुईं योहानी अजय देवगन स्टारर फिल्म थैंक गॉड के लिए एक गाना गाएंगी। अब खबर है कि योहानी के इस गाने में नोरा फतेही और सिद्धार्थ मल्होत्रा डांस करते नजर आने वाले हैं। योहानी ने खुद सोशल मीडिया पर पोस्ट कर अपने बॉलीवुड डेब्यू को लेकर बातें बताई थीं। दरअसल, योहानी अजय देवगन, रकुल प्रीत सिंह और सिद्धार्थ मल्होत्रा स्टारर फिल्म थैंक गॉड के लिए अपने सॉन्ग मनिके मगे हिते को हिंदी में गाने वाली हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, योहानी के इस स्पेशल रोमांटिक गाने पर नोरा और सिद्धार्थ एक साथ डांस करते दिखाई देंगे। इंद्र कुमार के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में गाना गाने को लेकर योहानी भी काफी उत्साहित हैं। यह फिल्म अगले साल थिएटर में रिलीज की जाएगी। कहा जा रहा है कि इस गाने को तनिष्क बागची कम्पोज करेंगे और रश्मि विराग इसे लिखेंगी। बता दें कि योहानी कुछ दिनों पहले बिग बॉस 15 के सेट पर होस्ट सलमान खान के साथ नजर आई थीं। जिसका एक वीडियो काफी वायरल हुआ था।

क्रूज से जेल तक का सफरनामा: किंग साइज लाइफ जीने वाले आर्यन अब जेल की फर्श पर सोने को मजबूर, 18 रातों में ऐसे बदले खान के दिन

क्रूज ड्रग्स पार्टी केस में गिरफ्तार हुए अभिनेता शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान अभी आर्थर रोड जेल में ही रहेंगे। बुधवार को सेशंस कोर्ट ने उनकी जमानत अर्जी को खारिज कर दिया। 14 अक्टूबर को हुई मामले की सुनवाई में मुंबई सेशंस कोर्ट के जज वीवी पाटिल ने सभी पक्षों को सुनने के बाद

फैसला सुरक्षित रखा था। 2 अक्टूबर को आर्यन को मुंबई से गोवा के लिए निकले क्रूज कॉर्डेलिया से पकड़ा गया था। हालांकि, उन्हें 3 अक्टूबर को गिरफ्तार दिखाया गया। पहली बार उन्हें एक दिन और दूसरी बार उन्हें 3 दिन की हृष्टक्कस्टडी में भेजा गया था। इसके बाद 7 अक्टूबर को आर्यन को 21 अक्टूबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। आज उनकी जमानत याचिका खारिज होने के बाद यह तय हो गया है कि उन्हें अभी कई रातें आर्थर रोड जेल में ही बितानी पड़ेंगी। आर्यन का तकरीबन 18 दिनों का यह सफरनामा बेहद उतार चढ़ाव भरा रहा है। लग्जरी लाइफ जीने वाले आर्यन अब जेल में जमीन पर सोने को मजबूर हैं। शुरुआती दिनों में आर्यन ने सिर्फ बिस्कुट से अपना पेट भरा था। क्रूज पर हुई शानदार पार्टी से शुरू हुआ आर्यन का यह सफर अब जेल तक पहुंच चुका है। इस बीच यह जानकारी सामने आ रही है कि बॉम्बे हाईकोर्ट में 1 नवंबर से दिवाली की छुट्टियां शुरू हो रही है। अगर अगले कुछ दिनों में उन्हें जमानत नहीं मिली, तो उनकी मुश्किलें बढ़ भी सकती हैं। अदालत में अब सिर्फ 21, 22, 25 और 29 का ही वर्किंग डे बचा है। आज हम आर्यन खान के क्रूज से जेल तक के इसी सफरनामे के बारे में बताने जा रहे हैं।

अपकमिंग फिल्म: इमरान हाशमी ने बेटे की खराब तबियत में पूरी की 'एजरा' के रीमेक 'डिबुक' की डबिंग

भूत की आवाज के लिए जानवरों और इंसानी क्राउलिंग को मिक्स कर साउंड इफेक्ट पैदा किया गया 'स्त्री' के हिट होने के बाद से मेकर्स का रुझान हॉरर फिल्मों की ओर, भूमि पेडणेकर और जाह्नवी कपूर की फिल्में रिलीज हो चुकी हैं 22 अक्टूबर से महाराष्ट्र के सिनेमाघर खुल रहें हैं, मगर, 'चेहरे' के बाद इमरान हाशमी की एक और फिल्म 'डिबुक' डायरेक्ट ओटीटी पर आ रही है। 'डिबुक' मलयाली फिल्म 'एजरा' की हिंदी रीमेक है। हाल ही में बॉलीवुड ने कई मलयाली फिल्मों की रीमेक के राइट्स लिए हैं। उनमें अजय देवगन मोहनलाल स्टारर 'दृश्यम2' को इस दिसंबर से शूट शुरू करने वाले हैं। बोनी कपूर ने 'वन' के राइट्स लिए हैं। उसमें ममूटी थे। ममूटी की ही एक और फिल्म 'पुथिया नियमम' के राइट्स नीरज पांडे ने लिए हैं। 'डिबुक' एक हॉरर फिल्म है। इस जॉनर की फिल्मों में साउंड सबसे अहम कैरेक्टर होता है। इमरान इससे पहले 'राज' फ्रेंचाइजी की हॉरर फिल्में की हैं। उसके अलावा उनकी 'एक थी डायन' भी आई थी। 'डिबुक' में इमरान हाशमी ने साउंड डिजाइनर के साथ कई दिलचस्प प्रयोग किए हैं। 'डिबुक' और 'एक थी डायन' दोनों के साउंड डिजाइनर मनोज गोस्वामी ही हैं। बातचीत में मनोज गोस्वामी ने कहा, इस फिल्म में हॉरर के एलिमेंट के लिए ओटीटी पर कंटेंट देखने वाले दर्शकों के लिहाज से साउंड डिजाइन हुआ है। थिएटरों में रिलीज होने वाली फिल्मों के लिए तो हम वहां जाकर वहां के स्पीकरों पर डायलॉग्स की साउंड क्वॉलिटी चेक करते हैं। वहां ऑडिएंस को डराने के लिए ढेर सारे स्पीकर्स होते हैं। यहां हमने ब्रांडेड फोन से लेकर चाइनीज फोन पर क्वॉलिटी चेक किए। यहां डराने के लिए लाउड साउंड के बजाय सीन में साइलेंस रखा गया है। सन्नाटे से उपजने वाले डर का यूज हुआ है। पहले की हॉरर फिल्मों में सीन में तेज आवाज यूज होते थे। यहां डर को साउंड या किरदारों के एक्शन से धीरे धीरे बिल्ट अप नहीं किया गया है। सीन में डर की एंट्री अचानक किसी पर हमला या हादसों से करवाई गई है। भूत की आवाज के साथ भी प्रयोग हुए हैं। उनकी आवाजें हाथी की चिंघाड़ या फिर शेर की दहाड़ जैसी न लगे, वह कोशिश यहां हुई है। डर और असरदार हो, उसके लिए इमरान हाशमी ने इस फिल्म के लिए स्टूडियो में अपने डायलॉग्स डबिंग के जरिए डेलिवर करने का फैसला किया।

इस साल जुलाई में सेकेंड वेव ओपन होने पर उन्होंने अपने डायलॉग्स डब किए। वह भी तब, जब उनके बेटे की तबियत खराब थी। मनोज गोस्वामी कहते हैं, डबिंग के मामले में इमरान की रफ्तार तेज है। उन्होंने पूरे फिल्म की डबिंग महज तीन दिनों में पूरी कर दी। वह भी रोजाना महज दो घंटे डबिंग के शेड्यूल में। एक डायलॉग की डबिंग में उन्हें कभी दो से यादा रीटेक नहीं लगते थे।

आर्यन खान केस पर ट्विंकल खन्ना ने जाहिर किया गुस्सा, बोलीं- उसे जेल में सड़ाया जा रहा है

बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान को आज भी जमानत नहीं मिली है। वहीं, मीडिया रिपोर्ट्स में ये भी बताया जा रहा है कि NCB ने इस केस में कोर्ट को आर्यन के कुछ व्हाट्सएप चैट दिखाए हैं। जिसमें आर्यन पर एक अपकमिंग एक्ट्रेस के साथ ड्रग्स को लेकर बात करने का आरोप लगाया जा रहा है। इस बीच आर्यन की गिरफ्तारी को लेकर हाल ही में ट्विंकल खन्ना का एक पोस्ट जबरदस्त सुर्खियों में आ गया है। जिसमें उन्होंने इस केस की तुलना एक कोरियन ड्रामा सीरीज से कर डाली है। ट्विंकल खन्ना ने अपने इंस्टाग्राम एकाउंट पर एक पोस्ट शेयर किया है। जिसमें उन्होंने आर्यन खान से जुड़े ड्रग्स केस की तुलना नेटफ्लिक्स की हिट कोरियन ड्रामा सीरीज स्कविड गेम से की है। उन्होंने पोस्ट पर एक टाइटल- देसी स्कविड गेम शुरू होने दो में उस मार्बल गेम के बारे में बात की जिसमें हर एक प्लेयर को 10-10 मार्बल दिए गए थे। इस केस पर व्ययंग भरे अंदाज में पोस्ट करते हुए ट्विंकल ने सबूत ना मिलने पर भी आर्यन को जेल में रखने की कार्रवाई पर गुस्सा जाहिर किया है। उन्होंने लिखा- हर एक प्लेयर को 10 मार्बल दिए जाते हैं और हर एक को गेम खेलते हुए अपने अपोनेंट से उनकी मार्बल भी छीननी होती हैं। इस एपिसोड में एक मजबूत खिलाड़ी को जबरदस्ती बार्मल खोने पर मजबूर कर दिया जाता है। मुझे लगता है मेरे भी मार्बल खो गए हैं जब मैं शाहरुख खान के बेटे की गिरफ्तारी के बारे में न्यूज पढ़ती हूं। उन्होंने लिखा- बताया जा रहा है कि उसका दोस्त 6 ग्राम चरस लिए हुए था, लेकिन आर्यन खान के पास ऐसी कोई चीज होने का सबूत नहीं है। फिर भी एक लड़के को आर्थर जेल में दो हफ्तों से सड़ाया जा रहा है।

क्या माइशा को है ईशान के बाईसेक्शुअल होने का

बिग बॉस के हर सीजन में कुछ लोग दुश्मन बनकर निकलते हैं तो किसी को प्यार मिल जाता है। इस बार माइशा अय्यर और ईशान सहगल के रोमांस के चर्चे सुर्खियों में हैं। ईशान सबके सामने माइशा को प्रपोज कर चुके हैं। अब दोनों एक-दूसरे के बारे में जानने की कोशिश कर रहे हैं। लेटेस्ट एपिसोड में माइशा और ईशान से उनकी सेक्शुऐलिटी पर सवाल करती हैं। वहीं ईशान ने अपनी एक्स-गर्लफ्रेंड के बारे में भी बात की। बिग बॉस 15 में नया प्यार परवान चढ़ रहा है। नई जोड़ी है ईशान और माइशा की। इश्क-मोहब्बत के बीच लेटेस्ट एपिसोड में दोनों कुछ सीरियस बातें करते दिखाई दिए। माइशा ईशान से उनके पुराने रिलेशनशिप के बारे में बात करती हैं। दोनों की बातचीत से ऐसा लगता है कि जैसे माइशा को ईशान की सेक्सुऐलिटी पर शक है। ईशान के बारे में उन्होंने ऐसा कुछ सुना था जिस पर वह ईशान से उस रिलेशनशिप के बारे में पूछती हैं। इस पर ईशान सफाई देते हैं कि ये सब अफवाहें थीं। वह सिर्फ काम के लिए उस शख्स के साथ थे। माइशा उनका यकीन नहीं करतीं तो वह पूछते हैं कि क्या सच में माइशा ऐसा समझती हैं कि वह बाईसेक्शुअल हैं। इस पर माइशा कहती हैं कि अगर वह हैं तो कोई दिक्कत नहीं है पर वह सब जानना चाहती हैं। ईशान को थोड़ा अजीब लगता है कि वह उनका यकीन नहीं कर रहीं। वह उन्हें यकीन दिलाने की कोशिश करते हैं कि उनका प्रोफेशनल रिश्ता था और जब उन्हें गड़बड़ लगा तो दूरी बना ली। माइशा और ईशान की नजदीकियां बढ़ती देख सलमान खान ने भी दोनों को समझाने की कोशिश की थी। सलमान ने उनसे कहा था कि दोनों को समझदारी के साथ घर में रहना चाहिए। बिग बॉस हाउस में फराह खान आईं तो उन्होंने भी दोनों का मजाक उड़ाया था।

बिग बॉस 15 में नहीं होगी करण कुंद्रा की एक्स गर्लफ्रेंड अनुषा दांडेकर की एंट्री, एक्ट्रेस ने अफवाहों को किया खारिज

टीवी एक्ट्रेस और वीजे अनुषा दांडेकर ने बिग बॉस 15 में वाइल्ड कार्ड एंट्री की खबरों को खारिज कर दिया है। बता दें कि इससे पहले खबरें थी कि बिग बॉस 15 के घर में अनुषा दांडेकर की एंट्री होने वाली है। खबर थी कि वह शो में वाइल्ड कार्ड एंट्री लेने के लिए तैयार हैं। इसके बाद शो को लेकर दर्शकों का उत्साह और बढ़ गया था हालांकि अनुषा ने इन खबरों को बकवास करार देते हुए एक पोस्ट शेयर किया है। अनुषा ने इंस्टा स्टोरी पर लंबा चौड़ा पोस्ट शेयर कर इसकी जानकारी दी है। उन्होंने लिखा- एक बार फिर ये मेरी जिंदगी है, मेरा हैप्पी प्लेस। भगवान के लिए मेरे बारे में न्यूज आर्टिकल में ये बकवास लिखना बंद करें कि मैं बिग बॉस में ड्रामा क्रिएट करने जा रही हूं, जबकि मैं उसका हिस्सा भी नहीं हूं। मैंने अपना सच बता दिया है। अनुषा ने अपने पोस्ट में आगे लिखती हैं जो कुछ भी मैं पोस्ट करती हूं, वो मेरे अतीत के बारे में नहीं, मेरी तरक्की के बारे में है। कृपया एक सेल्फ मेड

वुमन के तौर पर मेरी उपलब्धियों को कम आंकना बंद करें। मैं अपनी जिंदगी की बिग बॉस हूं। मुझे किसी शो में जाकर इस बात का सबूत देने की जरूरत नहीं, इसलिए जो इसे लेकर उत्सुक हैं, वे आराम से सो जाएं। उन सभी का शुक्रिया जो मुझे जीने देते हैं। अनुषा की एंट्री को लेकर दर्शक इसलिए एक्साइटेड थे क्योंकि उनके एक्स बॉयफ्रेंड करण कुंद्रा शो में हैं और इनदिनों वह तेजस्वी प्रकाश की वजह से खबरों में छाए है, इसलिए भी अनुषा का नाम सुर्खियों में बना हुआ है, लेकिन फैंस को ये जानकर निराशा होगी कि अनुषा ने बिग बॉस का हिस्सा नहीं बनेंगी। एक समय करण कुंद्रा, अनुषा डेट किया करते थे। दोनों ने रियलिटी शो लव स्कूल को भी होस्ट किया था, जहां वे प्यार का पाठ पढ़ाया करते थे। हालांकि ये लव स्टोरी यादा दिन नहीं टिक पाई और इनका ब्रेकअप हो गया। अनुषा ने करण पर धोखाधड़ी का आरोप लगाया था।

खास बातचीत: पिता घनश्याम नायक को याद कर विकास बोले- अस्पताल में एडमिट होने से एक दिन पहले तक उन्होंने तारक मेहता देखा

घनश्याम नायक द्वारा तारक मेहता का उल्टा चश्मा में निभाया गया नट्टू काका का रोल एक ऐसा किरदार था, जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकेगा। एक साल तक कैंसर से लंबी लड़ाई लड़ने के बाद एक्टर ने 3 अक्टूबर 2021 को मुंबई में आखिरी सांस ली थी। अब हाल ही में दैनिक भास्कर ने घनश्याम नायक के बेटे विकास नायक से बातचीत की है। इस दौरान उन्होंने अपने पिता के आखिरी दिनों के बारे में विस्तार से बताया है।

पापा कहते थे-जिस दिन मरूंगा, उस दिन मुझे मोक्ष मिल जाएगा

विकास नायक ने कहा, पापा के जाने के बाद शुरूआत के 2-3 दिनों तक हमें समझ ही नहीं आ रहा था कि कैसे क्या करें। पिछले एक साल से हम सभी मिलकर उनकी बिमारी (कैंसर) से लड़ रहे थे। सच कहूं तो पापा हमें हिम्मत देकर गए थे कि इस सिचुएशन में हमें अपने आपको कैसे संभालना है। वो तैयार थे और आखिरी महीनों में बस यही कहते थे- जिस दिन मरूंगा उस दिन मुझे मोक्ष मिल जाएगा। वे बहुत ही पॉजिटिव इंसान थे और हमसे कहते थे कि यदि उन्हें कुछ हो जाए तो हमें रोना नहीं है, हमें दुख नहीं मनाना है। उनका मानना था कि उन्होंने पूरी जिंदगी लोगों को हंसाया है, उनके जाने के बाद कोई रोना नहीं चाहिए।

पापा ने मां और हम सभी को इस सिचुएशन के लिए मेंटली तैयार करके रखा था

विकास आगे कहते हैं, मुझे याद है कि मेरे पापा यदि किसी की बैठक में जाते (मरने के बाद की रीती) थे तो वहां भी वे एनवायरनमेंट लाइवली बनाने की कोशिश करते थे। वहां पर लोग शोक मनाने जाते हैं, लेकिन पापा उनके घरवालों का दुख कम करने और उन्हें हंसाने की कोशिश करते थे। कहीं-न-कहीं मां को भी हमने इस सिचुएशन के लिए तैयार कर लिया था। मेरी मां को मेरे पापा से यादा हेल्थ इश्यू हैं। पिछले 8 सालों से उन्हें अस्थमा की बीमारी है। वो यादा चल भी नहीं पाती हैं। पापा की आखिरी 2 महीने में हालत यादा खराब हो गई थी। ऐसे में पापा ने मां और हम सभी को इस सिचुएशन के लिए मेंटली तैयार करके रखा था। वो मस्ती-मस्ती में कहते थे-मैं नहीं

चाहता की मेरे साथ तुम लोग भी चलो।

पापा 100 साल तक जीना चाहते थे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ

घनश्याम की बीमारी के बारे में विकास कहते हैं, मजाक-मजाक में पापा कहा करते थे कि वे 100 साल तक जीना चाहते थे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। जुलाई 2021 में जब हमने रिपोर्ट निकाली थी, तब पता चला कि कैंसर उनके पूरे शरीर में फैल गया है। पिछले साल सितंबर से हमने जितने भी ट्रीटमेंट किए थे वे सभी फेल हो गए। हमने कीमोथेरेपी बंद कर दिया और आयुर्वेदिक-होम्योपैथिक ट्रीटमेंट शुरू कर दिया। हालांकि, कोई असर नहीं हुआ। डॉक्टर ने पापा से कह दिया था कि उनके पास जीने के लिए कुछ महीने भी हो सकते हैं, कुछ साल भी। उन्होंने ये बात बहुत पॉजिटिवली ली। उन्होंने घर आकर मां से कहा कि वे अब काफी संतुष्ट महसूस कर रहे हैं। वे खुश थे कि उनका ट्रीटमेंट बंद हो जाएगा। वे नहीं चाहते थे कि उनकी जिंदगी में ऐसा कोई वक्त आए, जहां उन्हें ट्यूब से खाना-खाना पड़े। लाचारी आने से पहले ही उन्होंने विदाई ले ली।

पिछले 10-12 सालों में हमारी आर्थिक स्थिति काफी संभली

पापा के साथ बिताए पुराने दिनों को याद करते हुए विकास कहते है, मेरी इंजीनियरिंग की पढ़ाई के लिए पापा ने पैसे लिए थे और वो इतनी अभिमानी थे कि कभी किसी के पैसे रखे नहीं। जब तक पैसा लौटाते नहीं, उन्हें चैन नहीं पड़ता। पिछले 10-12 सालों में हमारी आर्थिक स्थिति काफी संभली और हमें कभी किसी से पैसे की मदद नहीं मांगनी पड़ी।

घनश्याम नायक के आखिरी दिनों के बारे में विकास कहते हैं, उन्हें म्युजिक का बहुत शौक था। आखिरी के पलों में उन्होंने रेडियो में खूब सारा म्युजिक सुना, यादातर गुजराती गाने। फिर गुजराती शो-रिक्शा राशि वाली देखते। तारक मेहता का अब तक का उन्होंने एक भी एपिसोड मिस नहीं किया। वो शो में नहीं थे इसके बावजूद गणेश चतुर्थी स्पेशल एपिसोड, उन्होंने बैठकर देखा और टीम की मेहनत की खूब तारीफ की। हमने 29 सितंबर को उन्हें अस्पताल में एडमिट किया था, 28 की रात तक उन्होंने तारक मेहता देखा था। शो में खुद को बहुत मिस करते थे और फिर से शो में लौटने की बात कहते रहते थे। वे मेकअप के साथ विदा होना चाहते थे और हमने मेकअप आर्टिस्ट बुलवाकर उनकी ये इछा पूरी की थी।

पापा को डायरी लिखने का शौक था

घनश्याम नायक को डायरी लिखने की आदत थी। उन्होंने अपने आखिरी दिनों में भी अपने विचार उस डायरी में लिखे थे।

इस बारे में विकास कहते हैं, पापा अपनी एक-एक छोटी बात भी डायरी में लिखते थे। सुबह नाश्ते में क्या खाया, दोपहर में किस्से मिले, शाम में मंदिर में पुजारी से मिले, अपनी हर बात लिखते थे। अपनी खुशी व्यक्त करते। बिमारी की वजह से कई बार वे कुछ खा नहीं पाते थे, वो भी उन्होंने लिखा था। उन्हें ब्लैक एंड वाइट फिल्मों का बहुत शौक था। हर दिन वे टीवी पर कुछ न कुछ देखते और रात में तकरीबन 12.30 बजे तक सोते थे। ये बात भी उन्होंने लिखी है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक विजय कुमार भारती ने वन्दना ऑफसेट प्रिन्टर्स, ए-9, सराय पीपलथला एक्स. दिल्ली-33, से मुद्रित कर कार्यालय, बी-2/370, सुल्तानपुरी, दिल्ली-86 से प्रकाशित किया। सम्पादक : विजय कुमार भारती, मो0 : 09582093548 समाचार पत्र में प्रकाशित सामग्री से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं विवादास्पद केवल दिल्ली कोर्ट में होंगे। (DELHIN/2001/08863)

पुल घोटाला

श्रीमान निदेशक, सीबीआई से जांच की मांग

पुल घोटाला

केजरीवाल का सिचाई विभाग, सी.डी-2 बना भ्रष्टाचार का अड्डा

मुख्य अभियंता संजय सक्सेना, ई.ई सुधीर आर्या, अशोक कुमार, ए.ई, जुबैर ख़ान ने ए-बी एक्स, ए-2 ब्लॉक, सुल्तानपुरी व मंगोलपुरी को जोड़ने वाले मुख्य पुल निर्माण में लगवाई बेहद घटिया निर्माण सामग्री, पुल में पढ़ी दरारे व एक ओर से धंसा,

सुल्तानपुरी रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन